हरिभूमि
रायपुर भूमि

स्पॉट पर 3 क्रेन, दिनभर में एक भी मूर्ति विसर्जित नहीं

रविवार को महादेवघाट के समीप विसर्जन कुंड स्थल पर जोन के अधिकारी शिफ्ट के हिसाब से डयूटी करने मौजूद रहे, पर स्थल पर सन्नाटा रहा। दिनभर में एक भी गणेश मूर्ति का विसर्जन नहीं हुआ। जोन-5 कमिश्नर विमल शर्मा सहित उनकी टीम मूर्ति विसर्जन करने वालों का इंतजार करती रही। कुंड स्थल पर 3 क्रेन की व्यवस्था थी। कुछ गोताखोर भी विसर्जन कराने स्पॉट पर नजर आए।

विसर्जन के बाद कुंड में काला-पानी, खाली कराया जाएगा, मूर्तियों के ढांचों की होगी नीलामी

नाली के माध्यम से एसटीपी तक पहुंचेगा कुंड का काला पानी

विसर्जन कुंड में पैरा सहित अन्य तरह के सामग्री सड़ने और केमिकलयुक्त होने की वजह से पानी काला पड़ गया है। इस गंदे पानी को सक्शन मशीन से खींचकर बाहर निकाला जाएगा। इसके बाद उसे कुंड के पीछे बनाई गई नाली के जरिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। जहां से उपचारित करने के बाद इसे दोबारा उपयोग के लायक बनाया जाएगा। जोन-8 के अधिकारियों के मुताबिक, कुंड से गंदा पानी खाली करने का काम जल्द शुरू किया जाएगा, ताकि इसकी सफाई कर दोबारा साफ पानी भरा जा सके। 2 अक्टूबर से नवरात्रि पर्व शुरू होने से पहले यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

- रविवार को विसर्जन के लिए होता रहा इंतजार, शाम तक खाता नहीं खुला
- मोटर पंप लगाकर कुंड का गंदा पानी खाली कराएगा निगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महादेवघाट के समीप स्थित नगर निगम के विसर्जन कुंड में 8 हजार छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन के बाद क्रेन व गोताखोरों की मदद से 90 फीसदी ढांचे को कुंड से बाहर निकाल लिया गया है। कुंड के आसपास इसका ढेर लग गया है, जिसमें बांस-बल्ली, पैरा, रस्सी, थर्मोकोल, सजावट सामग्री शामिल है। ढांचे निकालने के बाद कुंड का पानी काला पड़ गया है और इससे बदबू उठने लगी है। अब मोटर पंप लगाकर कुंड से केमिकलयुक्त गंदा पानी खाली कराया जाएगा और ढांचों का ढेर ▶▶|शेष पेज 11 पर

8 हजार छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

ढांचे के ढेर की होगी नीलामी

नगर निगम जोन-8 द्वारा गणेश विसर्जन के दौरान कुंड से निकाले गए ढांचों के ढेर को विक्रय करने रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया जाएगा। इसके बाद टेंडर निकालकर नीलामी की जाएगी, ताकि ▶▶|शेष पेज 11 पर

खबर संक्षेप

हत्या की कोशिश-बलवा फरार महिला गिरफ्तार

रायपुर। मौदहापारा थाना क्षेत्र में एक माह पूर्व मामूली विवाद पर हत्या तथा बलवा के फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल किया है। पुलिस के मुताबिक, सुल्ताना बेगम की शिकायत पर पद्मिनी उर्फ गुलशन बेगम को गिरफ्तार किया गया है। पद्मिनी ने अपने अन्य परिजनों के साथ मिलकर पिछले महीने 1 अगस्त को मामूली विवाद पर चाकू, तलवार से सुल्ताना तथा अन्य पर जानलेवा हमला किया था।

घूरकर देखने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। तेलीबांधा थाने में एक व्यक्ति ने एक अन्य के खिलाफ घूरकर देखने के विवाद में मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, पान ठेला तथा चाय दुकान संचालित करने वाले मुरलीधर ध्रुव ने राकेश शर्मा उर्फ एनए दादा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। मुरलीधर ने पुलिस को बताया कि उसका पूर्व में राकेश के साथ विवाद हुआ था। इस बात को लेकर राकेश ने मुरलीधर पर घूर कर देखने का आरोप लगाते हुए उसके सिर पर रॉड से हमला कर दिया।

दो पक्ष भिड़े, परिवार के खिलाफ की शिकायत

रायपुर। टिकरापारा थाने में दो पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, संतोषी नगर निवासी अकबर ने मोहसीन खान, जावेद खान, सेहरा बानो, सब्बो तथा नस्सो के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। अकबर ने आरोप लगाया कि मोहसीन अपनी ऑटो में उसके घर के पास गांजा बेच रहा था। मना करने पर मोहसीन तथा अन्य ने उनके साथ मारपीट की। मोहसीन ने अकबर उसकी पत्नी, बेटी, बहू, बहन तथा बेटे के खिलाफ गाली-गलौज करने से मना करने पर मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मर्ग कायम कर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सिलतरा स्थित वंदना ग्लोबल में बेल्ट आपरेटिंग का काम करने वाले सनंदन कुमार साहू की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हुई है। पुलिस के अनुसार, रविवार वह दोपहर काम से लौट रहा था, इसी दौरान धनेली स्थित धनराज होटल के पास अज्ञात वाहन ने सनंदन कुमार की बाइक को ठोकर मार दी। इससे सनंदन बाइक से गिरकर अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया।

रायपुर मंडल को तीन दिनों में यात्री किराए से मिले लगभग 5 लाख, बिजली की खपत इससे ज्यादा

वंदे भारत....800 खाली सीटों के साथ दौड़ रही जितनी कमाई, उससे ज्यादा बिजली पर खर्च

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

खास खबर

दुर्ग से विशाखापट्टनम के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू हुए तीन दिन हो चुके हैं। इन तीन दिनों में विशाखापट्टनम जाने सर्वाधिक यात्री वंदे भारत को रायपुर स्टेशन से मिले हैं। बुकिंग की रफ्तार फिलहाल धीमी होने से रेलवे को वंदे भारत के परिचालन से किसी भी तरह का आर्थिक लाभ नहीं हुआ है। वर्तमान में रोजाना 800 से अधिक सीटें खाली जा रही हैं। वापसी में यह संख्या 900 तक है। रेलवे के जानकारों के मुताबिक, वंदे भारत में जब तक एक राउंड में 500 से अधिक यात्री नहीं मिल जाते, तब तक वंदे भारत आर्थिक रूप से लाभकारी साबित नहीं होगी। हरिभूमि ने मंडल में वंदे भारत की बुकिंग को लेकर पड़ताल की। वंदे भारत में पहले दिन दुर्ग से विशाखापट्टनम तक 63 से अधिक यात्रियों ने सफर किया, जिसके बाद दूसरे और तीसरे ने दिन दुर्ग, रायपुर और महासमुंद से 220 से अधिक यात्री मिले।

इस तरह अभी तक लगभग 300 यात्री सफर कर चुके हैं। इसमें 200 से अधिक यात्रियों ने केवल सीसी कोच में सफर किया है। लगभग 80 से 100 यात्रियों ने ईसी कोच को चुना है। बता दें कि ईसी कोच में रायपुर से विशाखापट्टनम का किराया खाने के साथ 2695 और सीसी कोच में 1495 है। इस आधार से 300 यात्रियों के किराए से रायपुर मंडल को लगभग 5 लाख मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक, वंदे भारत के रायपुर से विशाखापट्टनम के लिए लगभग 6000 से 7000 तक यूनिट बिजली लगती है। अन्य ट्रेनों की तुलना में इसमें बिजली की बचत हो रही है, लेकिन फिलहाल टिकट किराए से अधिक बिजली की लागत बताई जा रही है।

वापसी में यात्रियों का संकट

विशाखापट्टनम जाने के लिए वंदे भारत को अब रोजाना 100 यात्री मिल रहे हैं, लेकिन वापसी में यात्रियों की संख्या इससे भी कम है। ज्यादातर लोग वापसी में सामान्य एक्सप्रेस ट्रेन में रायपुर लौट रहे हैं, इसलिए बुकिंग कम है। वंदे भारत में फिलहाल वही यात्री सफर कर रहे हैं, जो भ्रमण के दृष्टि से विशाखापट्टनम जा रहे हैं। बाकी एक्सप्रेस ट्रेनों में वेटिंग शून्य है। आसानी से लोगों को टिकट मिल रहा है। 23 सितंबर को रायपुर से विशाखापट्टनम जाने शाम 7 बजे तक वंदे भारत के सीसी कोच में 64 और ईसी कोच में 12 लोगों ने बुकिंग कराई है। दुर्ग से यह संख्या 6, महासमुंद से 25 से अधिक की बुकिंग है। वर्तमान में 800 से अधिक सीटें खाली हैं। रायपुर मंडल से वंदे भारत में रोजाना 100 यात्री मिल रहे हैं। बाकी स्टेशनों में 20 से 30 प्रतिशत बुकिंग बताई जा रही है।

40 करोड़ खर्च, कुल आय 25 करोड़

रेलवे के जानकारों के मुताबिक, बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत को चलाने का खर्च सालभर में लगभग 40 करोड़ है, लेकिन इस ट्रेन से रेलवे को कुल आय लगभग 25 करोड़ ही हुआ है। त्योहार के सीजन में ही वंदे भारत में यात्री अधिक मिलते हैं। सामान्य दिनों में 60 प्रतिशत सीटें ही भर पा रही हैं। इसके अलावा हमसफर और राजधानी एक्सप्रेस को चलाने का खर्च 60 करोड़ तक है, लेकिन कमाई वंदे भारत से तीन गुना अधिक है। वंदे भारत में कोच कम करने और स्टॉपेज बढ़ाने के बाद भी कमाई में बढ़ोतरी नहीं हुई है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्री ट्रेनों का संचालन मुनाफे के लिए नहीं किया जाता है।

समय से पहले पहुंच रही वंदे भारत, बाकी ट्रेनें विलंब से

ट्रेन और यात्रियों को निर्धारित समय पर स्टेशन पहुंचाना भारतीय रेलवे अपनी पहली जिम्मेदारी के साथ-साथ कर्तव्य भी समझता है, लेकिन बीते सालभर से ट्रेनों की चाल सुधर नहीं रही है। इधर दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत अपने निर्धारित समय से 15 मिनट पहले पहुंच रही है। इससे वंदे भारत के यात्री तो बेहद खुश हैं, लेकिन सामान्य एक्सप्रेस में सफर करने वाले यात्री निराश हैं, क्योंकि उनकी ट्रेन अब भी देर से चल रही है। भारतीय रेलवे में ऐसी घटना कम ही देखने को मिलती है कि स्टेशन पर ट्रेन समय से पहुंच जाए। वर्तमान में रेलवे की प्राथमिकता वंदे भारत की सुरक्षा और समय अनुसार परिचालन है। हरिभूमि ने जब अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों की पड़ताल की तो जोन और मंडल की ट्रेनें 1 से 6 घंटे तक विलंब चल रही हैं, जिसमें गोंडवाना, संपर्क क्रांति, छत्तीसगढ़ के साथ सारनाथ समेत अन्य एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

टाइफाइड की खबर पर जागा निगम, बीएसयूपी कॉलोनी में कराई सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लभांडी स्थित सूरजनगर पीली बिल्डिंग बीएसयूपी कॉलोनी के बोर का दूषित पानी पीने से 5 लोगों को टाइफाइड होने के बाद निगम अमले की नींद रविवार को टूटी। पानी के सैंपल की जांच रिपोर्ट में टाइफाइड के बैक्टीरिया मिलने के बाद हड़कंप मचा। इसके बाद रविवार को निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने निगम के स्वास्थ्य अधिकारी और जोन-9 कमिश्नर को स्पॉट पर भेजकर प्रभावित एरिया की विशेष सफाई कराई।

- वाटर एटीएम के पानी में कीड़े मिलने के बाद बदला गया फिल्टर
- बोर का पानी दूषित, 5 लोगों को टाइफाइड

लभांडी की आदर्श संकल्प सोसायटी फेज-2 में निगम की वाटर एटीएम मशीन के पानी में कीड़े मिलने के बाद मशीन की सफाई कराई गई। पता चला कि अंदर वाले हिस्से की एक अरसे से सफाई नहीं होने गंदगी जमा है। इसके लिए फिल्टर बदलकर नया लगाया गया। इसी तरह लभांडी के ही सूरजनगर बीएसयूपी कॉलोनी परिसर के नालियों मेनुअल सफाई कराई गई। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने बताया कि जोन-9 के स्वास्थ्य विभाग ने 20 सफाई कामगारों का विशेष गैंग भेजकर कॉलोनी परिसर की विशेष सफाई कराई। सीवरेज लाइन एवं चेंबर की सक्शन मशीन से मैकेनिकल ▶▶|शेष पेज 11 पर

एमएमआई कांड की जांच पूरी कमेटी आज सौंपेगी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

स्वाइन फ्लू के इलाज के दौरान हालत गंभीर होने पर एमएमआई से हैदराबाद अस्पताल शिफ्टिंग के दौरान महिला की मौत के मामले में जांच पूरी हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के साथ ही कमेटी सोमवार को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपेगी। इस मामले में मौत को लेकर लापरवाही भी तय किए जाने की संभावना है।

- दस दिन पहले स्वाइन फ्लू पीड़िता की मौत का मामला

टाटीबंध निवासी 49 वर्षीय भारती देवी खेमानी की मौत के मामले में उनके बेटे ने लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप लगाकर एमएमआई नारायणा अस्पताल प्रबंधन, रेड एंबुलेंस और एयर एबुलेंस को कटघरे में खड़ा किया था। मामले की शिकायत स्वास्थ्य मंत्री तक किए जाने के बाद इसकी जांच के आदेश दिए गए थे। जिला स्तर पर इन्वेस्टीगेशन के लिए पांच विशेषज्ञों की टीम बनाई गई थी। कमेटी ने विभिन्न बिंदुओं के आधार पर मामले में ▶▶|शेष पेज 11 पर

एमएमआई कांड पर एक और वीडियो, बेटे का आरोप, डॉक्टर के कहने पर कराया एयर लिफ्ट

दस मिनट में ही हो गई मौत

बेटे ओम खेमानी ने आरोप लगाया था कि उनकी मां भारती खेमानी को जब हैदराबाद ले जाने के लिए एयर एंबुलेंस तक पहुंचाया गया तब उनकी हालत स्थिर थी। एयरक्रॉफ्ट जैसे ही मरीज को लेकर उड़ा, उसमें मौजूद अनुपयोगी उपकरणों की वजह से उनकी हालत बिगड़ गई। फ्लाइट हैदराबाद जाने के बाद वापस रायपुर में लैंड हो गई थी। भारती खेमानी को गंभीर स्थिति में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

लाखों खर्च के बाद भी नहीं बची जान

भारती खेमानी के इलाज और उन्हें हैदराबाद ले जाने के लिए एयर एंबुलेंस की बुकिंग में खेमानी परिवार ने बड़ी राशि खर्च की थी। उन्होंने दस दिन इलाज के लिए अस्पताल में करीब 8 लाख रुपए का भुगतान किया था, वहीं एयर एंबुलेंस की बुकिंग के लिए 6 लाख 11 हजार रुपए खर्च किए थे। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद स्वाइन फ्लू से पीड़ित महिला की जान नहीं बचाई जा सकी।

प्रदेश में अभी भी वर्षा की गतिविधि संभव

मानसून द्रोणिका बिलासपुर के ऊपर, हल्की बारिश से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मानसून द्रोणिका के बिलासपुर के ऊपर मौजूद होने और बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश के मौसम में मामूली बदलाव हुआ है। राजधानी में देर रात के बाद शाम में हल्की बारिश हुई। इसके असर से उमस से थोड़ी राहत मिली है। अगले दो-तीन दिन वर्षा की गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना बन रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार, सिस्टम के असर से एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है, मगर यह बस्तर संभाग में ही संभावित है। प्रदेश में पिछले चार-पांच दिनों से बारिश नहीं हुई है, जिसकी वजह से उमस भरे मौसम ने लोगों को खासा परेशान किया है। शाम को हुई बारिश के बाद मौसम में थोड़ी ठंडक आने के बाद उमस से राहत मिली। इसके अलावा पिछले चौबीस घंटे में

राजनांदगांव, डोंगरगढ़, सिमगा, भाटापारा सहित कुछ क्षेत्रों में वर्षा की गतिविधि हुई है। वर्तमान में मानसून द्रोणिका माध्य समुद्रतल पर बीकानेर, सागर, बिलासपुर, चांदबाली और उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। वहीं बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रीय चक्रवाती घेरा आगे बढ़कर निम्नदाब के क्षेत्र के रूप में परिवर्तित होने की संभावना है। राज्य में अभी मानसून की गतिविधि हो रही है पश्चिमी राजस्थान और उससे लगे क्षेत्र से विदाई के लिए अनुकूल परिस्थिति बनी हुई है।

हैदराबाद आवाजाही के लिए अब रायपुर से रोजाना तीन उड़ानें, आज से नई फ्लाइट

1 घंटे 20 मिनट में पूरा होगा दोनों शहरों के बीच का सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

हैदराबाद आवाजाही के लिए सोमवार से रोजाना तीन उड़ानों की सुविधा मिलने लगेगी। इंडिगो द्वारा रायपुर-हैदराबाद सेक्टर में आज से दोपहर के शेड्यूल में अपनी नई फ्लाइट का संचालन किया जाएगा। इस फ्लाइट से अब 1 घंटे 20 मिनट में हवाई यात्री अपना सफर पूरा कर सकेंगे। उड़ान शेड्यूल में तीसरी फ्लाइट शामिल होने के बाद दोनों शहरों के बीच डेढ़ सौ से अधिक यात्रियों को सुविधा होगी।

रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से अधिक यात्रियों के साथ रवाना होने वाले एयरक्रॉफ्ट में हैदराबाद की फ्लाइट भी शामिल है। अधिक यात्री होने की वजह से दोनों शहरों के बीच सफर करने के लिए भी ज्यादा किराया देना पड़ता है। अच्छी ट्रैफिक की ध्यान में रखते हुए इंडिगो

एयरलाइंस ने रायपुर-हैदराबाद के बीच एक नई फ्लाइट शुरू करने की घोषणा की थी, जो सोमवार से उड़ान भरेगी। इस फ्लाइट के शुरू होने के बाद रायपुर से हैदराबाद जाने के लिए यात्रियों को सुबह, शाम और रात के वक्त फ्लाइट की सुविधा होगी। फ्लाइट की संख्या के साथ दोनों शहरों के बीच सफर करने के लिए सीटों की संख्या में भी इजाफा होगा। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सीटें बढ़ने से यात्रियों को किराए में भी थोड़ी राहत मिलेगी। अभी बारिश का ▶▶|शेष पेज 11 पर

हवाई कनेक्टिविटी बढ़ने के आसार

सूत्रों का कहना है कि क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत अंबिकापुर से फ्लाईबिग की उड़ान शुरू होने की संभावना बन रही है। इस फ्लाइट को बिलासपुर अथवा रायपुर तक संचालित करने की तैयारी है। विमानन विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अभी इस विमान को प्रारंभ करने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पिछले माह शुरू हुई थी प्रयागराज फ्लाइट

इंडिगो ने करीब आठ माह बंद रहने के बाद पिछले माह 16 अगस्त को प्रयागराज फ्लाइट की नियमित उड़ान प्रारंभ की थी। नियमित रूप से संचालित इस फ्लाइट में 70 से 80 फीसदी यात्री अपना सफर पूरा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ को यूपी से जोड़ने प्रयागराज के अलावा लखनऊ के लिए भी उड़ान का संचालन होता है।

नदियों को बचाने के लिए किनारों पर न करें कचरा डंपिंग-एनजीटी

रायपुर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल ने कहा है कि नदियों के पुनर्जीवन के लिए उनके किनारों पर ठोस अपशिष्ट के निर्वहन या डंपिग की रोकथाम के लिए की जाए। एनजीटी ने यह बात अपनी सेंट्रल जोन बेंच भोपाल के एक प्रकरण में सुनवाई के दौरान कही है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ के संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्तों, पालिकाओं और नगर पंचायतों की सीएमओ को एनजीटी के इस आदेश से अवगत कराते हुए पालन करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी के आदेश के हवाले से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने ये भी कहा है कि नगरीय निकायों से बहने वाली नदी, नालों के अपसट्रिम-डाउनस्ट्रिम एवं मिडस्ट्रिम के पानी का बीओडी, सीओडी परीक्षण एनएबीएस प्रयोगशाला से करवाकर हर महीने संयुक्त संचालक के माध्यम से रिपोर्ट भेजें। जिन वालों में गंदा पानी नदी, तालाबों में मिल रहा है उन नालों में स्क्रीन (जाली) स्थापित की जाए। जिन निकायों में एसटीपी के काम चल रहे हैं उन्हें जल्द पूरा कर एसटीपी का ▶▶|शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

चकल्लस

तारीख पे तारीख

रायपुर मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता और सबसे बड़े शासकीय अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक बदलने की चर्चा से पूरे स्वास्थ्य विभाग का माहौल गरमाया हुआ है। साथ ही दोनों पदों के लिए जिन चिकित्सकों के नाम चर्चा में हैं, वे भी फूले नहीं समा रहे हैं, मगर मामले में विभागीय आदेश का इंतजार है, जो अब तक जारी नहीं हुआ है। आर्डर जारी होने के लिए विशेषज्ञों द्वारा तय की जाने वाली तारीख लगातार आगे बढ़ रही है। इस बीच यह भी बाते सामने आ रही है कि इन पदों के दावेदारों के परफार्मेंस के लिए उनका पिछला रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

क्या होगी कार्रवाई...

एनपीए लेने के बाद भी निजी अस्पतालों में जाकर इलाज करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी अथवा मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा? मेडिकल कॉलेज में निजी प्रैक्टिस करने वाले जिन डॉक्टरों के नाम सार्वजनिक हुए हैं, उनमें कई बड़ी शख्सियत हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने नियम का पालन नहीं करने वाले चिकित्सकों पर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश तो दिए हैं, मगर बड़े डॉक्टरों पर कार्रवाई करना चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए संभव है..? इस मसले पर चिकित्सा महाविद्यालय के गलियारों में मामला गरमाया हुआ है।

गृह विभाग में शांति पाठ

छत्तीसगढ़ गठन के बाद जितने भी गृहमंत्री हुए हैं, उनका स्मरण कीजिए। सोच लिया...? अजब संयोग है कि जब भी गृहमंत्री कोई तेजतर्रार विधायक बनाया गया विवादों की सुनामी आ गई। एक बार तो ऐसा हुआ था कि एक के बाद एक, ग्यारह लोगों की मौत हिरासत में हो गई थी। मतलब जलजला आ गया था छत्तीसगढ़ में। तब मंत्रीजी बदल दिए गए। उसके बाद लो-प्रोफाइल विधायकों को गृहमंत्री बनाया गया, उन्होंने शांति से चलाया भी। अब इसमें काबिलियत का सवाल नहीं है, यह संयोग बस है। गृह विभाग शांति से चलाया जाता है, जब भी क्रांति का प्रयास हुआ, जलजला आ जाता है।

पापुनी में पाप

पाठ्य पुस्तक निगम यानी पापुनी में स्वतः पाप जैसा उच्चारण होता ही है। बोलकर देखिए। वैसे कर्म भी कुछ ऐसे ही हैं। खबरी बता रहा था कि गांव देहात के स्कूलों में किताबों पहुंचते ही चपरासी, बाबू और शिक्षक खुद ही कबाड़ में बेच देते हैं। सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहां किताबें पहुंची ही हैं। अब यह पाप नहीं है तो क्या है। बच्चों को तो छोड़ दीजिए...। ट्रक भरकर किताबें रद्दी में बेची गईं वो बहुत बड़े साहब के मौखिक आदेश पर हुआ। नीचे वालों ने चेताया भी था, साहब गड़बड़ हो जाएगा। लेकिन वो नहीं माने। दूसरी खबर यह भी है कि खबर लीक बहुत पहले हो गई थी। खुलासे से पहले खबर दबाने के लिए कई लोगों के बीच कई दौर की चर्चा चली। लेकिन बात बनी नहीं और पापुनी का पाप बाहर आ गया।

काम करूं या नहीं?

जिला शिक्षा कार्यालय के बड़े साहब के हटने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इस बीच उन्हें कुछ कामकाज भी निपटाने हैं। जिन कामों से आवक हो रही है, वो काम तो साहब बड़े जतन से कर रहे हैं, लेकिन जिसमें मामला फंसने की गुंजाइश दिख रही है, वहां हाथ पीछे खींच रहे हैं। तीन साल पहले नियुक्त हुए शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त हो गई है, उनकी रिपोर्ट तैयार करनी है। दूसरे जिलों में काम तो शुरू हो गया है, लेकिन राजधानी में ऐसा कुछ अब तक हो नहीं पाया है। दूसरी कई फाइलें भी अटकी पड़ी हैं। शिक्षक समझ नहीं पा रहे हैं कि करें तो करें क्या? इधर साहब यह समझ नहीं पा रहे हैं कि काम करें या नहीं...।

वीडियो वाले साहब

बुजुर्ग कहते थे कि लो प्रोफाइल रहने वाले लोग अक्सर सुखी रहते हैं। हाई प्रोफाइल और सदैव प्रचार के भूखे लोग एक दिन संकट में पड़ जाते हैं। वजह जानते हैं? उन पर सबकी निगाहें होती हैं और बेवजह कई लोग चिढ़ते हैं और दुश्मन बन जाते हैं। कवर्धा के पूर्व एसपी अभिषेक पल्लव के साथ यही हुआ है। लोग उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं, वे उन्हें पुलिसिंग के लिए कम, यूट्यूब और इंस्टाग्राम की वजह से ज्यादा जानते थे। लाखों व्यूज, लाखों फालोअर। सस्पेंड तो कलेक्टर भी हुए हैं लेकिन उन्हें लेकर कोई ट्रोलिंग नहीं की जा रही। इसलिए बुजुर्ग कहते थे...शांति से काम करना चाहिए।

जुगाड़ू अधिकारियों का पॉवर

इसमें संदेह नहीं है कि कई सरकारी अधिकारी भारी जुगाड़ टाइप के होते हैं। खबरी बता रहा था, पॉवर कंपनी में थोक में कई अधिकारी ऐसे हैं, जो पिछली सरकार में अपने मनचाहे स्थान पर तबादला कराने में सफल हो गए। इसके बाद जब प्रदेश में सरकार बदली तो इन अधिकारियों को यह डर सताने लगा कि उनको अब वापस ऐसे स्थानों पर भेज दिया जाएगा, जहां वे जाना नहीं चाहते। ऐसे में इन अधिकारियों ने नई सरकार में भी जुगाड़ लगा लिया और इस सरकार के अब तक के कार्यकाल में इनका तबादला नहीं हो सका है। ये अधिकारी पांच साल से भी ज्यादा समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। कुछ अधिकारियों की तो भाजपा के नेता भी शिकायत कर चुके हैं, इसके बाद भी इनका तबादला नहीं हो रहा है।

साझा पंडाल ...

आमतौर पर धरना-प्रदर्शन करने वाले अपना पंडाल साझा नहीं करते, पर बात शहर से दूर धरनास्थल पर पंडाल लगाने की हो तो खर्च ज्यादा आता है। इसका तोड़ ढूंढने वाले भी गजब होते हैं, सो उन्होंने साझे का पंडाल वाला आयडिया ढूंढ निकाला। पता चला कि महीनेभर से पंडाल लगाकर जमे संगठन वाले रैली निकाल रहे हैं, घेराव का भी प्रोग्राम सेट है। ऐसे में दूसरे संगठन वाले जुगाड़ कर गेप वाले टाइम में धरना देने पहुंच गए। रैली निकलने पर पंडाल खाली हो गया, सो वहीं जम गए। रैली वाले जब तक पंडाल पर पहुंचें, तब तक उनका प्रदर्शन खत्म। हुआ न साझा पंडाल।

पानी पिला दो भाई ...

मातहतों को नियम-कायदे की घुट्टी पिलाने वाले ऊपर वाले साहब पानी के लिए फड़फड़ा रहे हैं। बाबू से पानी मंगा नहीं सकते, चपरासी रखने का नियम नहीं बना। सो साहब घर से पानी लेकर दफ्तर आते हैं। ऊपर से टेंशन ये बनी रहती है कि शाम होने से पहले पानी खत्म हुआ तो पानी कौन पिलाएगा। उठने-बैठने वालों का क्या, मुंह उठाए चले आते हैं। अब उन्हें कौन समझाए कि बाहर से तामझाम वाला डिपार्टमेंट इतना खड़ूस है कि पानी पिलाने के लिए चपरासी तक नहीं दिया।

हम साथ-साथ हैं ...

छत्तीसगढ़ अब से 24 साल पहले मध्यप्रदेश का हिस्सा था। राज्य बने करीब ढाई दशक हो रहे हैं, लेकिन बहुत से कानून-कायदे, पुराने नियम मप्र की तरह यहां भी चल रहे हैं। इनमें कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। बंटवारे के बाद मप्र से यहां आने वाले कर्मी अब भी यहां हैं, उनके काम करने के तरीके भी नहीं बदले हैं। हमारे यहां अभी एक किताब घोटाला उजागर हुआ है। नई छपी हुई किताबें रद्दी में कबाड़ के भाव बेची गई हैं। ठीक इसी तरह का घोटाला पड़ोसी राज्य मप्र में भी हुआ है, यानी भ्रष्टाचार के मामले में दोनों राज्यों के अफसर अब तक साथ-साथ हैं?

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला
प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा

चुनावों की तैयारी, आप ने बदले कई जिलाध्यक्ष, 114 नई नियुक्तियां

- पूणारद निषाद रायपुर के नए जिलाध्यक्ष, मोहन को ग्रामीण की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आम आदमी पार्टी ने नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने रविवार को एक साथ 114 नई नियुक्तियां की हैं। लंबे समय से निष्क्रिय कई जिलाध्यक्षों को बदला गया है। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने भाजपा ज्वॉइन कर ली थी। उनके साथ ही कई अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही कई पद रिक्त थे। अब पार्टी ने प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से यह विस्तार किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष गोपाल साहू ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पार्टी के दिल्ली मुख्यालय में छग कार्यकारिणी विस्तार पर मंथन हो रहा था। छत्तीसगढ़ प्रभारी संजीव झा सहित केंद्रीय नेतृत्व से सहमति देते हुए लिस्ट जारी की गई है।

आम आदमी पार्टी का प्रदेश में संगठन विस्तार, जमीनी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी

पुराने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी

पार्टी द्वारा उपाध्यक्ष समेत कोषाध्यक्ष, महासचिव और पार्टी प्रवक्ता के पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। जिलाध्यक्ष समेत सभी पद मिलाकर 114 नियुक्तियां हुई हैं। अधिकतर पदों पर पार्टी ने उन कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी है, जो लंबे समय से पार्टी से जुड़े हुए हैं और जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं। राजधानी रायपुर को भी नया जिलाध्यक्ष मिला है। पूणारद निषाद को रायपुर शहर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि मोहन चक्रधारी को ग्रामीण की जिम्मेदारी मिली है।

कई मुद्दों पर करेंगे आंदोलन

प्रदेशाध्यक्ष गोपाल साहू ने कहा, इस बड़े संगठन विस्तार से छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी मजबूत होगी और सभी नव नियुक्त साथी पार्टी को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। आने वाले समय में पार्टी प्रदेश में गैर जिम्मेदार भाजपा सरकार को कड़ी टक्कर देगी। प्रदेश में साय सरकार अपने 9 माह के कार्यकाल में कानून और स्वास्थ्य व्यवस्था पर विफल रही है, जिसके खिलाफ जल्द ही आम आदमी पार्टी द्वारा बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश में कुछ माह बाद होने वाले नगरीय निकाय चुनाव, पंचायत चुनाव में पार्टी सभी पार्टियों को कड़ी टक्कर देगी।

पांच स्थानों पर पॉवर कंपनी ने बनाई बिजली उत्पादन की योजना

जशपुर में पानी से 3500 मेगावाट बिजली बनाने जल्द होगा एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

प्रदेश में बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। खपत 65 सौ मेगावाट तक जा चुकी है। आने वाले समय में खपत में लगातार इजाफा होना तय है। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी भी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार योजनाएं बना रही है। 2030 तक अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से 14 हजार मेगावाट का उत्पादन करने की लक्ष्य है। इसमें से 77 सौ मेगावाट बिजली पानी से बनाई जाएगी। पानी से बिजली बनाने की दो योजनाएं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में प्रारंभ करने की पूरी तैयारी पॉवर कंपनी ने की है। पानी से 35 सौ मेगावाट बिजली बनाने के लिए केंद्र सरकार की नवरत्न कंपनी टिहरी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी जल्द ही एमओयू करने वाली है। यह कंपनी जशपुर के रौनी में 21 सौ मेगावाट और जशपुर के दनगरी में 14 सौ मेगावाट बिजली बनाने का काम करेगी। योजना के लिए वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने टर्म ऑफ रेफरेंस जारी कर दिया है। राज्य सरकार इस समय बिजली उत्पादन की क्षमता को विशाल बनाने की दिशा में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा पश्चिम में 660 मेगावाट के दो संयंत्र लगाए जाएंगे। इसके पहले सबसे बड़े दो संयंत्र 500-500 मेगावाट के मड़वा में लगाए गए थे। कोरबा पश्चिम में पॉवर कंपनी के पास अपनी जमीन भी है। यहां 60 साल पुराने 50 मेगावाट के चार और 120 मेगावाट के दो संयंत्र प्रदूषण के कारण बंद हो चुके हैं। अब उसी स्थान पर नए संयंत्र लगाने की तैयारी है। इसे लेकर उत्पादन कंपनी कवायद कर रही है।

अभी 2980 मेगावाट उत्पादन क्षमता

अलग राज्य बनने के बाद वर्ष 2000 में राज्य में बिजली के मामले में ज्यादा सुविधाएं नहीं थीं। छत्तीसगढ़ में महज 1360 मेगावाट बिजली का ही उत्पादन होता था, लेकिन आज की स्थिति में उत्पादन 2980 मेगावाट हो गया है। मड़वा में जो 500 मेगावाट की दो यूनिट स्थापित की गई हैं, उन यूनिट में जब करीब 9 साल पहले उत्पादन प्रारंभ हुआ था, तभी से उसकी बिजली तेलंगाना को देने का अनुबंध हो गया था। ऐसा इसलिए संभव हो सका, क्योंकि उत्पादन के मामले में राज्य सरप्लस हो गया था। आज की स्थिति में जहां अपना उत्पादन 2980 मेगावाट है, वहीं सेंट्रल सेक्टर से करीब साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर मिलता है। ऐसे में राज्य में बिजली छह हजार मेगावाट से ज्यादा हो जाती है।

अब नए संयंत्र की तैयारी

जिस तरह से तेजी से प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हो रहा है, उससे आने वाले समय में बिजली की बहुत ज्यादा जरूरत होगी। आज उपभोक्ताओं की संख्या करीब 65 लाख हो गई है। पहले बिजली की खपत रोज तीन हजार मेगावाट से भी कम रहती थी, आज खपत छह हजार से ज्यादा हो रही है। प्रदेश सरकार ने करीब दो दशक की खपत को देखते हुए ही योजना बनाकर कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। इसी के साथ अब पॉवर कंपनी मड़वा में भी एक 660 मेगावाट का संयंत्र लगाने के लिए डीपीआर बनाने की तैयारी है। इसके बाद प्रदेश सरकार से मंजूरी लेकर इस पर काम किया जाएगा।

पानी से कहां, कितनी बिजली बनाई जाएगी

- रौनी जशपुर 2100 मेगावाट
- दनगरी जशपुर 1400 मेगावाट
- हंसदेव बांगो कोरबा 1200 मेगावाट
- सिकासेर गरियाबंद 1200 मेगावाट
- कोटपाली बलरामपुर 1800 मेगावाट

भूपेश का सीजेआई को पत्र एक आईपीएस अफसर मेरे खिलाफ साजिश कर रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखा है। श्री बघेल ने अपने पत्र में कहा कि उन्हें फंसाने की लिए गहरी साजिश की जा रही है। इस साजिश का उद्देश्य मेरा नाम किसी भी तरह से एक अपराध में जोड़ना है और एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी षड्यंत्र कर रहे हैं। उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह पत्र कोयला परिवहन घोटाले को लेकर लिखा है। 7 पेज के पत्र में भूपेश बघेल ने कई ऐसी बातें लिखी हैं, जो चौंकाने वाली हैं। कोयला परिवहन घोटाले में जेल में बंद कारोबारी सूर्यकांत तिवारी का पत्र वायरल होने के बाद सियासत तेज हो गई है। भूपेश बघेल, सूर्यकांत तिवारी से मिलने के लिए जेल भी गए थे, लेकिन उनको मिलने नहीं दिया गया। पूर्व सीएम श्री बघेल ने पत्र में लिखा है, मैंने 17 दिसंबर 2018 से 3 दिसंबर 2023 तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। इस अवधि के दौरान मैंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और गरिमा के साथ किया तथा सर्वोच्च संवाधानिक मर्यादाओं का पूर्ण पालन किया। देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर आपकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के कारण आपकी व्यस्तता से मैं अवगत हूं, परंतु छत्तीसगढ़ में जो संविधान हत्यात्मक परिस्थितियां लगातार बन रही हैं। इसकी वजह से मैं आपको व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखने के लिए बाध्य हुआ हूं।

- कोयला परिवहन घोटाले में साजिश का आरोप, पत्र में किए कई खुलासे

मेरा नाम जोड़ने की साजिश

उन्होंने आगे लिखा, मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि यह पूरी प्रक्रिया न केवल विधि के आदारभूत सिद्धांतों के विपरीत है, बल्कि यह पूर्वाग्रहों से भरी एक सुनियोजित साजिश है। इस साजिश का उद्देश्य मेरा नाम किसी भी तरह से एक अपराध में जोड़ना है और एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी षड्यंत्र कर रहे हैं। श्री बघेल ने कहा कि मैंने किसी भी आपराधिक मामले की जांच में कोई बाधा नहीं डाली है। ईडी ने मुझ पर और मेरे करीबी लोगों पर जिस तरह के गंभीर आरोप लगाने की कोशिश की है, उसमें मुझे एक राजनीतिक षड्यंत्र की बू आती है। अवैध आरोपों के माध्यम से मेरे राजनीतिक कैरियर को समाप्त करना है।

हस्तक्षेप अपील

भूपेश बघेल ने इस पूरे मामले में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को पत्र लिखकर कहा, संविधान का सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए आप से हस्तक्षेप की प्रार्थना करता हूं। इससे संविधान पर जनता को विश्वास बना रहेगा और न्याय सुनिश्चित होगा।

500 को किरण देव बृजमोहन ने दिलाई भाजपा की सदस्यता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा ने अपने सदस्यता अभियान में अब पहले चरण के बचे तीन दिनों में कार्यक्रमों के माध्यम से थोक में भाजपा की सदस्यता दिलाने की रणनीति बनाई है। एकात्म परिसर में रविवार को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू के नेतृत्व में 500 युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ली। इनको प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सदस्यता दिलाई। सोमवार को इसी तरह का एक बड़ी कार्यक्रम साइंस कॉलेज के ऑडिटोरियम में होगा, इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश सरकार के मंत्री व विधायक इस कार्यक्रम में सर्वसमाज के प्रतिष्ठितजनों को बड़ी संख्या में भाजपा की सदस्यता दिलाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सदस्यता लेने आए लोगों का भाजपा-परिवार में अभिनंदन और स्वागत करते हुए कहा, भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। 18 करोड़ सदस्यों वाली पार्टी है और इसके नेता दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नरेंद्र मोदी हैं।

125 किमी पैदल चलेंगे बैज, 27 को गिरौदपुरी से पदयात्रा, 2 अक्टूबर को रायपुर में समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज 27 सितंबर से अपने पदयात्रा की शुरुआत करने वाले हैं। गुरु घासीदास बाबा की जन्मस्थली गिरौदपुरी में पूजा-अर्चना कर वे पैदल मार्च निकालेंगे। इस दौरान कानून-व्यवस्था और सरकार की विफलता को उजागर किया जाएगा। गिरौदपुरी से राजधानी रायपुर तक 125 किमी की दूरी के हिसाब से प्रतिदिन औसतन 20 किमी की पदयात्रा होगी। 6वें दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्टूबर को गांधी मैदान रायपुर में यात्रा समाप्त होगी, जहां विशाल आमसभा होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रोज हो रही हत्या, लूट, चाकूबाजी, डकैती की घटनाओं से आम आदमी में भय का माहौल है। प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रतिरोध, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध और सामूहिक दुराचार की घटनाओं के विरोध में, गिरौदपुरी के अमर गुफा में जैतखाम में तोड़फोड़, बलौदाबाजार मामले में निर्दोषों की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन ही इस यात्रा का उद्देश्य है। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और सतनामी समाज के लोगों की रिहाई की मांग की जाएगी। कवर्धा के लोहारीडीह में साहू समाज के 3 बेटों की हत्या, प्रशांत साहू की पुलिसिया प्रताड़ना में हुई मौत की न्यायिक जांच हाईकोर्ट के वर्तमान जज की निगरानी में कराने तथा दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग करेंगे।

- छह दिन तक छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा

यात्रा में प्रदेशभर से लोग होंगे शामिल

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने घोषणा की है कि कांग्रेस तपोभूमि गिरौदपुरी धाम से 6 दिन की पदयात्रा करेगी। यात्रा का निर्णय हम सब के सहमति से हुआ और इस यात्रा में पूरे प्रदेशभर से लोग शामिल होंगे।

ऐसा रहेगा रूट चार्ट

गिरौधपुरी से पदयात्रा के पहले दिन 20.7 किमी चलकर कसडोल में रात्रि विश्राम करेंगे। वहां से दूसरे दिन 27.4 किमी की यात्रा कर रोहांशी पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। तीसरे दिन 29.7 किमी की यात्रा कर भैंसा पहुंचेंगे, यहां से 29 किमी पदयात्रा कर सारागांव पहुंचेंगे। पांचवें दिन 16 किमी की यात्रा कर ग्राम तर्रा में रात्रि विश्राम करेंगे। यहां से 8 किमी की दूरी तय कर यह यात्रा सड्डू पहुंचेगी, जहां अगले दिन रायपुर के गांधी मैदान में समापन के साथ आमसभा का आयोजन होगा।

कांग्रेस की न्याय पदयात्रा नहीं, बौखलाहट पदयात्रा : भाजपा

भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अनुराग अग्रवाल ने कांग्रेस की प्रस्तावित छत्तीसगढ़ न्याय पदयात्रा को बौखलाहट पदयात्रा निरूपित करते हुए कहा, कांग्रेस के पिछले शासनकाल में पूरे पांच साल तक प्रदेश के हर वर्ग के साथ केवल और केवल अन्याय-अत्याचार की सारी हदें पार कर दी गई थीं। श्री अग्रवाल ने कहा, जिस गिरौदपुरी धाम को अपने राजनीतिक षड्यंत्र का केंद्र बनाकर बाद में उसी की आड़ में बलौदाबाजार में हिंसा का ताण्डव कांग्रेस ने किया, उस गिरौदपुरी धाम से अपनी कथित न्याय पदयात्रा शुरू करने से पहले कांग्रेस ये बताए कि बलौदाबाजार हिंसा के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए क्या वह प्रदेश सरकार की जांच प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेगी?

पार्टी को नए सिरे से खड़ा कर विपक्ष की भूमिका निभाएं जोगी कांग्रेसी

रायपुर। जेसीसीजे की नई कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेशभर से नवनियुक्त कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारी और जिला अध्यक्ष शामिल हुए तथा पार्टी को नए सिरे से खड़ा कर मजबूती के साथ प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए मंथन किया गया। सिविल लाइंस स्थित जोगी निवास में हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष अमित जोगी ने अजीत जोगी युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यालय का लोकार्पण किया। उन्होंने इस दौरान कहा, छत्तीसगढ़ प्रथम सिद्धांत पर आधारित हमारी पार्टी के पदाधिकारी अब कमर कस लें, जनता की आवाज को बुलंद करें, उनके हक और अधिकार की लड़ाई लड़ें। जोगी कांग्रेस एक बार फिर से नए तेवर और नए कलेवर के साथ तैयार हैं, जो राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने मोर्चा संगठन के प्रदेश अध्यक्षों को उनके पद की शपथ दिलाते हुए कहा, छत्तीसगढ़ महतारी के सच्चे सपूत बनकर काम करें जोगी कांग्रेसी।

- प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने ली नई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक

मूंदड़ा निवास पहुंचे सौदान सिंह, परिजनों से मिले

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह राजधानी के वरिष्ठ भाजपा नेता छगन लाल मूंदड़ा के निवास पहुंचे और परिवार के सभी सदस्यों से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल व धरमलाल कौशिक, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी, प्रदेश प्रवक्ता, विधायक व पूर्व मंत्री राजेश मूणत, विधायक पुरंदर मिश्रा व गुरु खुशवंत साहिब, राजीव अग्रवाल, सुभाष राव, विश्वादिनी पांडे, राम प्रजापति, मनोज खुडीया सहित कार्यकर्ता एवं परिजन उपस्थित थे।

Health Town
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

36 तालाबों में सिर्फ पांच में ही बना पाए घाट, अब बरसात के बाद दो मरीन ड्राइव की योजना

बिरगांव नगर निगम ने निर्माण एजेंसी तय की, फंसा व्यवस्थापन का पेंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नगर निगम बिरगांव की सीमा में डेढ़ लाख की आबादी के बीच 40 वार्डों में 36 तालाब हैं। इनका कायाकल्प करने में निगम के जिम्मेदारों ने पूर्व में रुचि नहीं ली। बिरगांव निगम बनने के बाद भी सरोवरों का हाल बुरा है। अभी तक निगम के जिम्मेदार सिर्फ 5 तालाबों में सीमेंटेड घाट बनाने, सौंदर्यीकरण कराने के साथ ही निस्तारी पानी को तालाब में जाने से रोक पाए हैं। वहीं दो तालाबों में एजेंसी से सौंदर्यीकरण भी शुरू नहीं करा पाए हैं, क्योंकि इनके आसपास बसे परिवारों के विस्थापन का पेंच फंसा हुआ है।

बिरगांव निगम सीमा में तालाबों की स्थिति खराब है। जिम्मेदारों ने अब ऐसे तालाबों का कायाकल्प करने का मन बनाया है, जिनमें निस्तारी पानी या तो तालाबों के आसपास बसे लोगों द्वारा छोड़ा जा रहा है या निगम की खामियों के चलते तालाबों में गंदा पानी जाने की स्थिति है। ऐसे तालाबों का सर्वे करने के बाद निगम के जिम्मेदारों ने प्रदूषण का शिकार हो रहे तालाबों के पानी को संरक्षित करने के लिए मुहिम शुरू की है। विगत 20 साल में यहां 36 में से सिर्फ 5 तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया। इनमें से दो तालाबों को मरीन ड्राइव जैसा लुक देने बरसात का बाद एजेंसी काम शुरू करेगी। वहीं उरकुरा के तुलसी तालाब, बिरगांव के शुक्रवारी बाजार स्थित धाप तालाब और उरला का नौवा तालाब में कार्य शुरू किए गए हैं।

प्रभावित तालाब प्राथमिकता में

सूत्रों ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप पहले फेज में ऐसे तालाबों को शामिल किया है, जिनके अंदर लोगों ने कब्जा कर मकान बना लिए हैं। इसके अलावा जिन तालाबों में आसपास बसे परिवारों द्वारा घरों का गंदा पानी तालाब में छोड़ा जाता है, उन तालाबों से कब्जा हटाने की प्रक्रिया के तहत लोगों को विस्थापन देने की तैयारी है। इसके बाद तालाब की सफाई व सौंदर्यीकरण कराने के बाद उन्हें संरक्षित किया है। इनमें बिरगांव का शीतला तालाब, व्यास तालाब, अछोली, उरकुरा और सरोरा सहित 5 तालाबों में पचरी बनवाने के बाद निगम सुध नहीं ले रहा है।

मोतीसागर तालाब कब्जा मुक्त

बिरगांव निगम ने करीब 9 महीने पहले बुधवारी बाजार के पास स्थित मोतीसागर तालाब को मरीन ड्राइव की तर्ज पर विकसित करने के लिए आसपास बसे 150 से ज्यादा परिवारों को हटाया। वहीं ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे खदान डबरी तालाब का सौंदर्यीकरण कराने की तैयारी है। तालाब के अंदर मकान बनाने वाले लोगों का सर्वे करने के बाद निगम ने उन्हें नोटिस दिया है। आरटीओ के पास स्थित तालाब से होते हुए सोम कोल्ड जाने के रास्ते पर जितने परिवार बसे हैं, उन्हें भी नोटिस जारी किया गया है। बरसात के बाद इस तालाब में काम शुरू कराने की तैयारी है।

दो तालाब विकसित करने की तैयारी

पूर्व में किन कारणों से तालाबों का जीर्णोद्धार नहीं हो पाया, इसके बारे में बता पाना संभव नहीं है। मैंने अपने कार्यकाल में तीन तालाबों में काम शुरू कराया है। अभी दो तालाबों को मरीन ड्राइव की तर्ज पर विकसित करने की प्रक्रिया जारी है।

- नंदलाल देवांगन, महापौर नगर निगम बिरगांव

खबर संक्षेप

स्वतंत्रता सेनानी, खादी मजदूरों की जमीन पर कब्जा

रायपुर। स्वतंत्रता सेनानी, खादी मजदूर बुनकरों की 11 करोड़ रुपए से ज्यादा की जमीन भू-माफिया द्वारा फर्जी तरीके से अपने नाम राजस्व रिकार्ड में चढ़ाने का आरोप लगाते हुए ग्राम सेवा समिति ने रविवार को प्रदर्शन किया। ग्राम सेवा समिति से जुड़े लोगों ने आरंग तथा महासमुंद के तीन भू-माफिया के खिलाफ जमीन कब्जाने का आरोप लगाया है। ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला, सचिव अजय तिवारी के मुताबिक, आरंग तथा महासमुंद के भू-माफिया ने पंडरी स्थित खादी भंडार की जमीन के राजस्व रिकार्ड में कूटरचना कर उसे अपने परिजनों के नाम दर्ज करा लिया है। भू-माफिया ने 60 साल पूर्व विक्रय की जा चुकी फर्जी रजिस्ट्री से उक्त जमीन अपने परिजनों के नाम दर्ज कराया है। सेवा समिति के पदाधिकारियों ने इस पूरे फर्जीवाड़ा में राजस्व विभाग के अफसर तथा उनसे जुड़े लोगों के सांठगांठ का आरोप लगाया है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

राजधानी में हिंदी भवन के निर्माण की मांग

रायपुर। हिंदी दिवस के अवसर पर वक्ता मंच द्वारा शासकीय जिला ग्रंथालय में रविवार को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर, धमतरी, दुर्ग, राजनांदगांव, बलौदाबाजार सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में साहित्यकार शामिल हुए। समारोह में प्रदेशभर के हिंदी साहित्य के सृजन में रत एवं हिंदी के प्रचार के लिए कार्यरत 100 लेखकों को हिंदी सेवा सम्मान से अलंकृत किया गया। साथ ही राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय हिंदी भवन के निर्माण की शासन से मांग की। इस मौके पर वक्ता मंच के नेतृत्व में समस्त हिंदी प्रेमियों का प्रतिनिधिमंडल अतिशीघ्र मुख्यमंत्री से भेंट कर इस मांग को आगे बढ़ाएगा। इसी दौरान वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि, इस अवसर पर हिंदी रचना पाठ भी किया गया। इसमें हिंदी भाषा में कविता, लघुकथा, व्यंग्य, गीत आदि विधाओं में देर शाम तक अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर रचनाकारों ने श्रोताओं को अभिभूत कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छग राज्य विद्युत नियामक आयोग के निदेशक कमलेश दिल्लीवार, वरिष्ठ साहित्यकार शोभा देवी शर्मा, डॉ. सत्यजीत साहू, राजकुमार धर द्विवेदी आदि शामिल थे।

तूता के धरनास्थल पर 4 संगठनों का एक ही दिन हल्ला बोल, शिक्षक भर्ती मामले को लेकर डीएड-बीएड प्रशिक्षितों ने किया प्रदर्शन

आंधी-तूफान में उड़ा धरनास्थल का पंडाल, मचा हड़कंप, हड़ताली कर्मचारियों ने डोम में ली शरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी के नवा रायपुर स्थित तूता के धरनास्थल पर रविवार को आंधी-तूफान में हड़ताली कर्मचारियों का पंडाल उड़ गया। एक ही दिन 4 अलग-अलग संगठनों के प्रदर्शनकारी अपने हक की आवाज बुलंद करने धरनास्थल पर जुटे। इनमें दैनिक वेतनभोगी वन कर्मचारी, सहकारी समिति के कंप्यूटर ऑपरेटर, शिक्षकों की भर्ती मामले को लेकर डीएड, बीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी और अनुकंपा नियुक्ति की एक सूत्रीय मांग को लेकर दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा संघ की महिलाएं धरनास्थल पर डटी रहीं। आंधी-तूफान के कारण जहां आंदोलनकारियों का पंडाल उखड़ गया।

- **दैनिक वेतनभोगी वन कर्मचारी, सहकारी समिति के कंप्यूटर ऑपरेटर भी आंदोलन पर**

वहीं तितर-बितर हुए आंदोलनकारियों ने डोम में शरण ली। जहां पहले से आंदोलन चल रहा था। इसके चलते डोम स्थल के भीतर भारी भीड़ हो गई और पैर रखने तक की जगह नहीं बची।

कंप्यूटर ऑपरेटर संघ का बेमियादी आंदोलन

प्रदेशभर की सहकारी समितियों के धान उपार्जन केंद्रों में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर 2 सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है, 17 सालों से वे धान उपार्जन केंद्रों में कार्यरत हैं, अब तक उनका नियमितीकरण नहीं किया है। 27 फीसदी वेतनवृद्धि का लाभ अगस्त 2023 से प्रदान करने मांग धान खरीदी कंप्यूटर ऑपरेटर कर रहे हैं।

दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा संघ का धरना

दिवंगत पंचायत शिक्षक अनुकंपा संघ द्वारा अनुकंपा नियुक्ति की एक सूत्रीय मांग को लेकर नवा रायपुर के तूता में धरना दिया जा रहा है। प्रभावित परिवारजनों का कहना है कि एक अरसे से वे अनुकंपा नियुक्ति की बाट जोह रहे हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय है, ऐसी परिस्थिति में उनके प्रकरण पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर अनुकंपा नियुक्त प्रदान की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री और पंचायत मंत्री के नाम ज्ञापन देकर अपनी भावनाओं से अवगत कराया है।

वन विभाग के दैवेभो कर्मी की तबीयत बिगड़ी, बालोद भेजा

9 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे प्रदेशभर के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी डेढ़ माह से तूता में प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को धरने पर बैठे काष्ठागार बालोद के कर्मचारी युकेश चंदेल की तबीयत खराब हो गई, जिसे उपचार के लिए बालोद भेजा गया। बालोद में उपचार के बाद हालत बिगड़ने उसे धमतरी रेफर कर दिया गया। नियमितीकरण की मांग कर रहे एक दैनिक वेतनभोगी वन कर्मचारी को सांप डसने की घटना के बाद धरनास्थल पर एक और सांप घुस गया था। करैत सांप की जद में आने से एक कर्मचारी बाल-बाल बच गया। दैनिक वेतनभोगी वन कर्मचारियों का कहना है, जब तक मांग पूरी नहीं होगी, धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। रविवार को बड़ी संख्या में हड़ताली कर्मचारी अपने हक की आवाज बुलंद करने जुटे।

शिक्षक भर्ती की मांग, डीएड-बीएड अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ प्रशिक्षित डीएड-बीएड अभ्यर्थियों ने प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों के 33 हजार रिक्त पदों पर भर्ती शुरू करने की मांग और युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया निरस्त करने की मांग को लेकर धरनास्थल पर जोरदार प्रदर्शन किया। संघ के अध्यक्ष दाऊद खान सहित 5 आंदोलनकारी रविवार से आमरण अनशन पर बैठ गए। उनका कहना है कि जब तक सरकार 33 हजार शिक्षक पदों पर नोटिफिकेशन जारी नहीं करेगी, तब तक अनशन नहीं तोड़ेंगे। धरना-प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में डीएड एवं बीएड अभ्यर्थी डटे हुए हैं। एक दिन पूर्व ही बड़ी संख्या में अपने लंबित मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने तूता के धरनास्थल से मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने रैली निकाली, जिसे पुलिस प्रशासन ने रेलवे ब्रिज के पास बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। इस दौरान सड़क पर जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन देखने को मिला।

बिजनेस साइट

18 स्वर्ण पदक, 56 शोध उपाधियों के साथ 1440 विद्यार्थियों को डिग्रियां

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को तृतीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के 18 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को चांसलर्स स्वर्ण पदक, 56 शोधार्थियों के साथ 1440 विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर उपाधियां प्रदान की गईं। इस मौके पर राज्यपाल रमन डेका ने कहा, दीक्षांत समारोह का यह दिन आपके जीवन के एक महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने का प्रतीक है। आप सभी ने अपने मूल विषय में ज्ञान प्राप्त करने के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और मूल्यों को आत्मसात करने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह आप में से कई लोगों के माता-पिता के लिए संतुष्टि का दिन है। मुझे विश्वास है कि डिग्रियों से अधिक, यहां आपने जो ज्ञान और मूल्य ग्रहण किए हैं, वे आपको सौभाग्य के मार्ग पर ले जाएंगे। इसी दौरान राज्यपाल ने पद्मश्री सुप्रसिद्ध लोकगायक प्रहलाद सिंह टिपान्या और राजभाषा आयोग के पूर्व सचिव पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे को मानक उपाधि से सम्मानित किया। कुलपति एसके सिंह ने यूनिवर्सिटी का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा प्रति कुलाधिपति हर्ष गौतम ने स्नातकों को शपथ दिलाई, अन्य सभी विद्यार्थियों ने मंचासीन अतिथियों द्वारा उपाधियां प्रदान की गईं।

विद्यार्थी यूनिवर्सिटी का नाम करें रोशन : कुलाधिपति अनंत विभूषित रविशंकर महाराज ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारा देश और समाज आप जैसे युवा नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहा है, आप सभी में समाज में परिवर्तन लाने की असीम क्षमता है, अपने ज्ञान का उपयोग न केवल अपने व्यक्तिगत विकास के लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए भी करें और अपने माता-पिता, शिक्षकों और इस यूनिवर्सिटी का नाम रोशन करेंगे।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में टीआईएसएस मुंबई के चांसलर और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह, यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा के अलावा यूनिवर्सिटी के कुलसचिव, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शैक्षणिक परिषद, प्रबंध मंडल एवं शासी निकाय के सदस्य, विभिन्न संकायाध्यक्ष, कुलपति, प्रति-कुलाधिपति, कुलाधिपति आदि शामिल रहे।

दिवाली पहाट के लिए प्रतिभागियों का ऑडिशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दीपावली लक्ष्मी पूजन के एक दिन पहले 31 अक्टूबर को महाराष्ट्र मंडल में दिवाली पहाट के लिए रविवार को महाराष्ट्र मंडल में कई प्रतिभागियों ने ऑडिशन दिया। कार्यक्रम के प्रभारी परितोष डोनगांवकर ने बताया कि इस कार्यक्रम में बतौर गायक एवं उनके संगतकार मंडल के आजीवन सभासद और उनके परिजन भाग ले रहे हैं।

- **कार्यक्रम में बतौर गायक एवं उनके संगतकार मंडल के आजीवन सभासद और उनके परिजन ले रहे भाग**

रविवार को हुए ऑडिशन में इन्हीं प्रतिभागियों के चयन के लिए विशेष रूप से गुरु चंद्रशेखर सुरवधनीवार उपस्थित थे। प्रतिभागियों ने भक्तिमय और शास्त्रीय शैली में अपने-अपने गायन, सुगम संगीत के साथ प्रस्तुत किए। आडिशन देने वालों में निखिल मुकादम, धनश्री पेडसे, वेदांती कामड़े, दीप गुंडेगांवकर, सोनाली ढोक, अंजलि कान्हें, हेमंत मार्डीकर, अभिषेक बक्षी, सुमिता रायजादा आदि शामिल रहे। श्री डोनगांवकर के मुताबिक, अब आयोजन को लेकर प्रतिभागियों के साथ नियमित अभ्यास किया जाएगा। दिवाली पहाट 31 अक्टूबर को सुबह 6.30 महाराष्ट्र मंडल में आयोजित किया जाएगा।

स्वस्थ व्यापारी-स्वस्थ व्यापार का पोस्टर विमोचित

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की प्रदेश इकाई की ओर से 24 सितंबर को कैट के सीजी चैप्टर के राजधानी में स्थित इंडस्ट्री एसोसिएशन, लोधीपारा रोड स्थित प्रदेश कार्यालय के पास स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानंद जैन ने बताया कि रविवार को कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारियों की बैठक प्रदेश कार्यालय में हुई। बैठक में इस बात की सहमति बनी कि कैट द्वारा स्वस्थ व्यापारी-स्वस्थ व्यापार के तहत विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 24 सितंबर को सुबह 11 बजे से कैट सीजी चैप्टर के प्रदेश कार्यालय के पास किया जाएगा। कैट सीजी चैप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र दोशी ने बताया कि कैट द्वारा स्वस्थ व्यापारी-स्वस्थ व्यापार के तहत स्वास्थ्य शिविर लगाया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी होंगे।

ये हुए शामिल : बैठक में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप उपस्थित रहे, इनमें जितेंद्र दोशी, मगेलाल मालू, परमानंद जैन, सुरिंदर सिंह, भरत जैन, अवनीत सिंह, विजय पटेल, सुनील धुप्पड़, जयराम कुकरेजा, नरेश कुमार पाटनी, विजय जैन, नागेंद्र कुमार तिवारी, सतीश श्रीवास्तव, अमित गुप्ता, शैलेंद्र शुक्ला, भूपेंदर सिंह आदि उपस्थित रहे।

निधन

चंद्रा देवी संतवानी

रायपुर। अवंति विहार निवासी चंद्रा देवी संतवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 22 सितंबर को देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे गुरमुखदास संतवानी की पत्नी और रमेश कुमार संतवानी की माता थीं।

एमएल राव

रायपुर। शिवाजी पार्क सड्डू निवासी एमएल राव (95) का निधन हो गया। उनकी अंतिम इच्छानुसार उनका पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज रायपुर को दान किया गया। वे उषा राव के पति और एम. राजीव राव के पिता थे।

श्रद्धांजलि सभा में शामिल नेताओं ने दो मिनट का मौन रखकर की प्रार्थना

दिवंगत सुभाष शर्मा को प्रदेशभर के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री सुभाष शर्मा के निधन पर पं. सुंदरलाल शर्मा स्कूल में रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे, पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू, पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पूर्व सांसद सुनील सोनी, पूर्व विधायक अरुण वोरा सहित प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों, समाजसेवी तथा पत्रकारों समेत आमजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर श्रद्धांजलि सभा में डॉ. महंत ने कहा, स्वयं जब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। पीसीसी अध्यक्ष श्री बैज ने कहा, वे जब भी चित्रकोट से रायपुर किसी भी सिलसिले में रायपुर आते थे तो सुभाष भैया से जरूर मिलकर ही अपने गांव लौटते थे। उन्हें राजनीति के क्षेत्र में हमेशा सुभाष भैया का आशीर्वाद मिलता रहा। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि सुभाष भैया जरूर कांग्रेस में थे और मैं भाजपा में, लेकिन उनसे मेरी मित्रता किसी से छिपी नहीं थी। राजीव वोरा, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, ज्ञानेश शर्मा, धनेंद्र साहू, संजय पाठक, श्याम बैस, वीरेंद्र दुबे, मोहन एंटी, अंजय शुक्ला, सतीश जैन, गिरीश दुबे, उधोराम वर्मा समेत संजय श्रीवास्तव, अशोक पाण्डे, अखिलेश कश्यप, शिव कुमार तिवारी पूर्व आईएएस, नरेंद्र शुक्ला पूर्व आईएएस, प्रदीप नारायण तिवारी पूर्व आईपीएस, विनय तिवारी, अशोक शर्मा सहित प्रदेशभर से नेताओं, जनप्रतिनिधियों समेत आमजनों ने दिवंगत सुभाष शर्मा के निधन पर शोक जताते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

पेज 09 के शेष ...

विसर्जन के बाद कुंड...

के विक्रय के लिए नीलामी करने टेंडर निकाला जाएगा। दस दिन तक चले गणेशोत्सव के बाद शहरभर में स्थापित गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शनिवार तक जारी रहा। रविवार सुबह से लेकर देर शाम तक निगम के अधिकारी विसर्जन कुंड के पास बनाए गए स्टॉल पर मूर्ति विसर्जन के लिए लाने का इंतजार करते रहे, पर दिनभर में एक भी मूर्ति विसर्जन के लिए नहीं लाई गई। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार 23 सितंबर तक तीन पाली में जोनवार अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी विसर्जन व्यवस्था की निगरानी के लिए लगाई गई है। निगम अधिकारियों के मुताबिक, रविवार तक 8 हजार छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कुंड में किया जा चुका है।

ढांचे के ढेर की...

विसर्जन कुंड स्थल के आसपास को साफ-सुथरा रखा जा सके। आमतौर पर पैरा को आसपास के कुम्हार मिट्टी से बनने वाली सामग्री पकाने के लिए प्रयुक्त करने के लिए मांग करते हैं। वहीं ढांचे की जरूरत मूर्तिकारों को होती है।

टाइफाइड की खबर...

सफाई कराई गई। बीएसयूपी आवासीय परिसर में ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव किया गया। मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण करने सघन एंटी लार्वा ट्रीटमेंट अभियान चलाया गया।

एमएमआई कांड ...

लापरवाही तलाशने का प्रयास करते हुए दोनों पक्षों का बयान दर्ज किया था। सूत्रों के अनुसार, मामले की जांच पूरी हो चुकी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के साथ ही रिपोर्ट विभागीय स्तर पर सौंपने की तैयारी है। रिपोर्ट के मामले में अब तक खुलासा तो नहीं हुआ है, मगर इसमें कतिपय लोगों की जिम्मेदारी तय किए जाने के आसार हैं।

हैदराबाद आवाजाही के...

ऑफ सीजन होने की वजह से यात्रियों को इसके लिए 6600 में टिकट आसानी से मिल रहा है।

नदियों को बचाने के...

संचालन किया जाए और निकले हुए पानी का उपयोग भी होना चाहिए। निकाय क्षेत्र के जल स्त्रोतों को अतिक्रमण से मुक्त रखा जाना चाहिए। नदियों के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में कटाव एवं अतिक्रमण रोकने के लिए सघन वृक्षारोपण करें।

शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय में प्रस्तावना कार्यक्रम शुरू

रायपुर। शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय में गत दिनों प्रशासनिक विभाग, मूल विज्ञान और मानविकी विभाग की प्रमुख डॉ. श्वेता चौबे के नियंत्रण में प्रस्तावना कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो 1 अक्टूबर को समाप्त होगा। 21 सितंबर को इस कार्यक्रम के चौथे दिवस का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और ईश्वर की प्रार्थना के साथ हुआ। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. श्वेता चौबे ने बताया कि इस प्रेरक कार्यक्रम का उद्देश्य एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देना, छात्रों को आवश्यक जीवन कौशल से लैस करना और उन्हें अकादमिक और व्यक्तिगत रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाना है। कार्यक्रम को आगे गति देते हुए ध्यान के विषय में नवीन छात्र-छात्राओं को अवगत कराने के लिए द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्रा चित्रकला सूरी कंप्यूटर साइंस शाखा से और आदित्य साहू यांत्रिक शाखा से मंच पर आए, उन्होंने सर्वप्रथम पिछले दिवस बताई गई मुद्दाओं का पुनः स्मरण कराया।

चीफ जस्टिस बोले- 'सीजर की पत्नी' की तरह सभी संदेहों से ऊपर रहें न्यायाधीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- रेप पीड़िताओं को गर्भ समापन के लिए आना पड़ रहा उच्च न्यायालय, यह चिंतनीय विषय

न्यू सर्किट हाउस में को रायपुर संभाग के जिले रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार एवं महासमुंद के न्यायिक अधिकारियों का डिवीजनल सेमिनार रखा गया। छग राज्य न्यायिक अकादमी के तत्वाधान में इसका आयोजन हुआ।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने अपने उद्बोधन में न्यायिक कार्य के महत्व व चुनौती के बारे में बताते हुए कहा कि न केवल हाईकोर्ट बल्कि जिला न्यायपालिका में विविध प्रकार के समसामयिक महत्व के विवाद आते रहते हैं जो न्यायाधीशगण को न्याय प्रशासन में अपना अवदान देने व स्वयं को साबित करने का अवसर होते हैं। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को उनके कर्तव्य की महत्ता को याद दिलाते हुए कहा कि न्यायाधीश उन कुछ भाग्यशाली लोगों में हैं जिन्हें लोगों को न्याय प्रदान करने का अवसर प्राप्त होता है।

न्यायिक सेवा अन्य सामान्य शासकीय सेवा की तरह नहीं हैं बल्कि न्यायाधीशगण लोक विश्वास का पद धारित करते हैं। न्यायिक व्यवस्था की विश्वसनीयता न्यायाधीश का पद धारित करने वाले व्यक्तियों पर निर्भर है। इसलिए न्यायाधीश को सीजर की पत्नी की तरह सभी संदेहों से ऊपर होना चाहिए।

साधारण व्यक्ति को रहती है निष्पक्ष व त्वरित न्याय की उम्मीद

साधारण व्यक्ति की न्यायपालिका से क्या अपेक्षाएं हैं, इस संबंध में बात करते हुए कहा कि एक साधारण व्यक्ति न्यायपालिका से निष्पक्ष व त्वरित न्याय की उम्मीद करता है और इसके लिए न्यायाधीश को अपने कर्तव्यों का निर्वहन सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, ईमानदारी व प्रतिबद्धता के साथ करना चाहिए। माननीय मुख्य न्यायाधीश ने समय के साथ विधि के क्षेत्र में आने वाले बदलाव पर भी ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फारेंसिक साइंस आदि के संबंध में न्यायाधीशगणों को अद्यतन रहने को कहा।

- रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार एवं महासमुंद जिले के 111 न्यायाधीश हुए शामिल
- न्यायिक अधिकारियों का डिवीजनल सेमिनार

सिविल लॉ सहित कई विषयों पर दी गई प्रस्तुति

उन्होंने बलात्कार पीड़िता के गर्भ समापन को एक जटिल व संवेदनशील विषय बताया और कहा कि जिन मामलों में न्यायालय की अनुमति की आवश्यकता नहीं है, उन मामलों में भी रेप पीड़िताओं को गर्भ समापन के लिए उच्च न्यायालय आना पड़ रहा है, जबकि चिकित्सकीय गर्भ समापन अधिनियम में बलात्कार पीड़िताओं के संबंध में विधि के प्रावधान स्पष्ट हैं। उच्च न्यायालय के न्यायधीश प्रतीम साहू, प्रधान जिला न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी, छत्तीसगढ़ ज्यूडिशियल एकेडमी के डायरेक्टर सिराजुद्दीन कुरैशी डायरेक्टर सहित रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार एवं महासमुंद जिले के 111 न्यायाधीशगण प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए। इस सेमिनार में पीसीपीएनडीटी अधिनियम, गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम, सिविल लॉ, फारेंसिक साइस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुति दी गई।

खबर संक्षेप

'मोदी है तो संभव है' पुस्तक का विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार रात रायपुर स्थित निवास कार्यालय में सुप्रसिद्ध साहित्यकार, गीतकार रामेश्वर दास वैष्णव द्वारा रचित पुस्तक 'मोदी है तो संभव है' का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के प्रेस ऑफिसर आलोक सिंह, सुप्रसिद्ध रंगकर्मी अनिल शर्मा, लेखक विजय मिश्रा 'अमित', सतीश शर्मा, योगेश मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, हेमंत शर्मा उपस्थित रहे।

कुर्मी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल

रायपुर। अजीत मढ़रिया ने कुर्मी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष पद के लिए सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ नरदहा कुर्मी भवन पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। श्री मढ़रिया पूर्व में भी तीन वर्षों तक कुर्मी युवा केंद्रीय अध्यक्ष पद पर सफलतापूर्वक कार्य का अनुभव रखते हैं और अत्यंत मिलनसार व्यक्ति माने जाते हैं।

अभिनव वाचक स्पर्धा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र

रायपुर। मध्यप्रदेश मराठी अकादमी इंदौर की ओर से महाराष्ट्र मंडल रायपुर में रविवार को अभिनव वाचक स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें रायपुर से अनेक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पर्धा में शामिल सभी प्रतिभागियों को महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने मध्यप्रदेश मराठी अकादमी इंदौर की ओर से अभिनव वाचक स्पर्धा-2024 प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस मौके पर मंडल के अध्यक्ष श्री काले ने बताया कि वरिष्ठ साहित्यकार कल्पना शुद्धबैशाख की स्मृति में आयोजित इस स्पर्धा में सभी प्रतिभागियों को परीक्षा के कुछ समय पहले एक पुस्तक दी गई थी। इसमें लंदन की एक आजी (दादी) की कहानी थी। स्पर्धा में पूछे गए सभी सवाल इस पुस्तक पर ही आधारित थे। महाराष्ट्र मंडल साहित्य समिति की प्रमुख कुमुद लाड ने बताया कि इस बार स्पर्धा में अभय भागवतकर, विलास साखरे, श्रुति डोनगांवकर, प्रिया बक्षी सहित कई परीक्षार्थी शामिल हुए।

हेल्थ सेंटरों के डॉक्टर करते हैं ऑन कॉल ड्यूटी, चिकित्सकीय स्टाफ के भरोसे इमरजेंसी

संडे मतलब इलाज बंद, सरकारी अस्पतालों में जांच तो दूर, जरूरी दवा मिलनी भी मुश्किल

हरिभूमि सरोकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रविवार को ओपीडी बंद, यानी स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों की जांच तो दूर, उन्हें सर्दी-बुखार की दवा मिलनी भी मुश्किल है। इमरजेंसी सेवाओं के नाम पर यहां के डॉक्टर ऑन कॉल ड्यूटी करते हैं और अस्पताल चिकित्सकीय स्टाफ के भरोसे संचालित होता है।

सरकारी अस्पतालों में अवकाश को छोड़कर सामान्य दिनों में ओपीडी की व्यवस्था होती है, जिसमें आने वाले मरीजों की समस्या के अनुसार उनकी जांच और आवश्यक दवा तथा इलाज उपलब्ध कराया जाता है। छुट्टी के दिन सारे शासकीय हेल्थ सेंटर इमरजेंसी मोड पर रहते हैं और आने वाले सामान्य मरीजों को किसी तरह की जांच तो दूर, सर्दी-खांसी, बुखार जैसी सामान्य बीमारियों की दवा मिलनी भी मुश्किल होती है। किसी तरह के हादसे के शिकार होकर अथवा प्रसव जैसी आपात स्थिति में आने पर उन्हें उपचार की सुविधा मिल सकती है, मगर बुखार जैसी सामान्य समस्या होने पर उन्हें निजी डॉक्टरों के पास जाकर इलाज कराने अथवा ओपीडी में आने की सलाह इन स्वास्थ्य केंद्रों से मिलती है।

आंबेडकर और जिला अस्पताल को छोड़कर हमर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात चिकित्सक ऑन काल ड्यूटी पर रहते हैं। किसी तरह की बड़ी घटना होने पर उनके अस्पताल पहुंचने का दावा होता है, नहीं तो वहां मौजूद नर्सिंग सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती और इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के देखभाल तथा इलाज की जिम्मेदारी उठाते हैं। हरिभूमि टीम रविवार को राजधानी के हेल्थ सेंटरों की व्यवस्था का हाल जानने निकली।

गुढ़ियारी का हमर अस्पताल

दोपहर करीब डेढ़ बजे गुढ़ियारी के हमर अस्पताल परिसर में भर्ती मरीजों के बच्चे खेलते मिले। अस्पताल में कुछ नर्सिंग स्टाफ सक्रिय दिखे, मगर दवा काउंटर बंद था। हमर अस्पताल में मौजूद मरीजों के अटेंडरों ने बताया कि सुबह आने वाले डॉक्टर जानकारी लेने के बाद चिकित्सकीय स्टाफ को कुछ बताकर गए हैं। दोपहर तक यहां इमरजेंसी जैसी स्थिति में कोई केस नहीं आया था, कुछ लोग दवा की पर्ची लेकर अस्पताल पहुंचे थे, जिन्हें सोमवार को आने की सलाह दी गई थी।

राजातालाब हमर अस्पताल

दोपहर करीब 1 बजे हमर अस्पताल में कुछ नर्सिंग स्टाफ, फार्मासिस्ट मौजूद थे। उन्होंने बताया कि डॉक्टर सुबह राउंड पर आए थे और प्रसव के लिए भर्ती मरीजों की स्थिति के अनुसार सलाह देकर गए हैं, वे ऑन कॉल ड्यूटी पर हैं। यहां इमरजेंसी की स्थिति में डॉग बाइट, प्रसव अथवा किसी हादसे में चोटिल होने वाले लोग आते हैं, जिन्हें उपचार दिया जाता है। अतिगंभीर स्थिति वालों को जिला अथवा आंबेडकर अस्पताल जाने की सलाह दी जाती है।

आंबेडकर अस्पताल में दोपहर बाद भीड़

सुबह के वक्त आंबेडकर अस्पताल में मरीजों की संख्या कम थी, मगर दिन चढ़ने के साथ इमरजेंसी विभाग में मरीजों का आना शुरू हो गया। इनमें कई दूसरे अस्पतालों से रेफर थे तो कुछ एमएलसी केस थे। इमरजेंसी विभाग में दोपहर बाद गहमागहमी जैसी स्थिति थी। वहां तैनात आपात चिकित्सा अधिकारी के साथ यूनिट के पीजी डॉक्टर मरीजों के इलाज में जुटे थे, मगर सामान्य मरीजों के लिए यहां भी जांच और दवा की सुविधा नहीं थी।

दो डॉक्टरों के जिम्मे जिला अस्पताल

रविवार को दोपहर ढाई बजे जिला अस्पताल सुनसान था। वहां वार्डों के हिसाब से चिकित्सकीय स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई थी और इमरजेंसी में एक महिला तथा दूसरे पुरुष चिकित्सक की ड्यूटी लगाई गई थी। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि रोस्टर के आधार पर दो-दो चिकित्सक इमरजेंसी यूनिट में ड्यूटी पर हैं। जिला अस्पताल में आपात स्थिति वाले मरीज तो नहीं पहुंचे, मगर मुलाहिजा संबंधी मामले लेकर कुछ थाने के जवान जरूर पहुंचे। सामान्य तरीके का इलाज और दवा काउंटर यहां भी बंद थे, जिसकी वजह से ओपीडी कक्ष की तरफ का ताला बंद था।

भारत का राष्ट्रीय कैलेंडर कौन सा?

व्यापम ने पूछा- 'फूल फूलै रिंगी-चिंगी, फर फरे लमडोरा' का अर्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 2424 अभ्यर्थियों के लिए रायपुर और बिलासपुर में आयोजित की गई वन रक्षक भर्ती परीक्षा
- लंबे समय पर व्यापम की किसी परीक्षा में उपस्थिति पहुंची 95%

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को वन रक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए सिर्फ रायपुर और बिलासपुर में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा के लिए 2424 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 95 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल रहे।

लंबे समय बाद यह स्थिति बनी जब व्यापम की किसी परीक्षा में उपस्थित रहने वाले कैंडिडेट्स 90 प्रतिशत से अधिक रहे हो। रायपुर में इस परीक्षा के लिए मान तीन केंद्र शांति नगर कन्या शाला, लालपुर शासकीय विद्यालय तथा डब्ल्यूएसआर विद्यालय में बनाए गए थे। रायपुर में 1274 कैंडिडेट्स के लिए केंद्र बनाए गए थे। व्यापम ने फूल फूलै रिंगी चिंगी, फर फरे लमडोरा का अर्थ अभ्यर्थियों से पूछा। इसके अलावा भारत का राष्ट्रीय कैलेंडर क्या है, यह भी परीक्षार्थियों से जाना। इसके चार विकल्प हिंदू कैलेंडर, शक कैलेंडर, जॉर्जिया कैलेंडर और चैत्र कैलेंडर दिए गए। छत्तीसगढ़ भाषा के उद्भव, मेघदूत का छत्तीसगढ़ी अनुवाद करने वाले लेखक का नाम, राजगीत की पंक्तियां, विनोद कुमार शुक्ल की रचनाएं जैसे सवाल भी प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे।

बदराटोला, पेरिस ओलंपिक से जुड़े सवाल

सामान्य ज्ञान के अंतर्गत बदराटोला, मुरूम सिल्ली बांध, जंगल सत्याग्रह, नियद नेल्लानार योजना, असहयोग आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह संबंधित सवाल भी पूछे गए। पेरिस ओलंपिक में प्राप्त मेडल की संख्या और खिलाड़ी आधारित प्रश्न भी व्यापम ने पूछे। समुद्रगुप्त के दक्षिणापथ पर आक्रमण के दौरान मार्ग, सुखद सहारा योजना, कल्चूरी शासक का कालक्रम जैसे कई सवाल अपेक्षाकृत कठिन रहे।

गणित के सवाल कठिन

परीक्षा में व्यापम ने कुल 100 सवाल पूछे। छत्तीसगढ़ी भाषा सहित प्रदेश के सामान्य ज्ञान पर आधारित जो सवाल पूछे गए वे आसान रहे, लेकिन गणित के सवाल अपेक्षाकृत कठिन रहे। इन सवालों में सर्वाधिक समय लगा। इसके अलावा विज्ञान विषय के सवाल भी जटिल रहे। अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए प्रत्येक जिले में परीक्षा लेने के स्थान पर राजधानी के अलावा सिर्फ बिलासपुर में ही सेंटर बनाया गया। नकल प्रकरण अथवा इस तरह की कोई स्थिति निर्मित नहीं हुई।

मतदाता परिचयपत्र बनाने का काम शुरू, 150 अधिकारियों को ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिसंबर में होने वाले नगर निगम चुनाव के लिए राजधानी की वोटर लिस्ट बनाने का काम शुरू होने जा रहा है। इसके लिए 150 अधिकारियों को नगर निगम में प्रशिक्षण दिया गया।

गांधी सदन मुख्यालय भवन में अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल ने उपायुक्त राजस्व विवेकानंद दुबे, सभी जोन कमिश्नर, सहायक अभियंताओं, उप अभियंता, नगर निवेश विभाग के सहायक अभियंता, उप अभियंता, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारियों व राजस्व निरीक्षक तथा सहायक राजस्व निरीक्षकों को निर्वाचक नामावली तैयार करने प्रशिक्षण दिया। अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल ने प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को इस कार्य की बारीकियों से अवगत कराया। विदित हो, कि निर्वाचक नामावली कार्यक्रम के अनुसार 16 अक्टूबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन और दावा-आपत्ति के निराकरण के बाद 22 नवंबर इसका अंतिम प्रकाशन किया जाना है। प्रशिक्षण के दौरान तहसीलदार कार्यालय रायपुर के निर्वाचन विभाग से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

- गांधी सदन में अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल ने दिया प्रशिक्षण

सेक्सटार्शन, शेयर ट्रेडिंग के बाद अब ऑनलाइन एक्सटार्शन

ठगी का नया हथियार एक्सटार्शन : लोगों को डराकर ठगी करने सेक्सटार्शन के बाद जालसाजों ने एक्सटार्शन को नया हथियार बनाया है। ठगी के इस नए पैंतरे में जालसाज लोगों को कॉल कर उनके नाम से ईडी में मनी लांड्रिंग तथा अन्य तरह के गंभीर अपराध में मामला दर्ज होने का झांसा दे रहे हैं। झांसा देने वाले जालसाज ऐसे लोगों के उनके अकाउंट की डिटेल निकालकर जांच करने का झांसा देकर अकाउंट खाली कर रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राखी थाना क्षेत्र में ईडी, क्राइम ब्रांच का भय दिखाकर ठगी

ऑनलाइन जालसाज ठगी करने सॉफ्ट टार्गेट की तलाश में रहते हैं। इसके लिए जालसाज कई तरह के पैंतरे आजमा रहे हैं। शेयर ट्रेडिंग, गूगल रीव्यू के नाम पर झांसा देकर ठगी करने की घटनाएं लगातार सामने आने के बाद जालसाज अब मनी लांड्रिंग तथा अन्य किस्म के अपराध दर्ज होने का भय दिखाकर लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं। राखी थाना क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर एक्सटार्शन के दो ऐसे ही मामलों में पुलिस ने अपराध दर्ज किया है।

रेंज साइबर पुलिस के के मुताबिक, ऑनलाइन ठगी करने वाले हर तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। जालसाज इंस्टाग्राम तथा मैसेंजर के माध्यम से लोगों को ठगने शेयर ट्रेडिंग का ग्रुप बनाकर मैसेज भेजकर शिकार बना रहे हैं। शेयर ट्रेडिंग के नाम से ठगी के शिकार ज्यादातर शिक्षित तथा संपन्न वर्ग के लोग हैं।

केस 1 भ्रष्टाचार, मनी लांड्रिंग का झांसा

राखी थाने में छत्तीसगढ़ पीएससी में बतौर सेक्शन ऑफिसर पदस्थ महिला अधिकारी को अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर अपने आपको दिल्ली क्राइम ब्रांच का अफसर बताकर ठगी की है। जालसाज ने महिला को कॉल कर कहा कि ईडी ने एक मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया है, जिसमें महिला को उनके नाम शामिल होने का भय दिखाया। इसके बाद जालसाज ने पीएससी के सेक्शन ऑफिसर को उनके अकाउंट की जांच करने का झांसा देकर अकाउंट डिटेल लेकर 31 हजार रुपए की ठगी की।

केस 2 मानव तस्करी में फंसाने की धमकी

एक अन्य मामले में मेघालय में प्राइवेट जॉब करने वाले प्रशांत रंजन पाण्डेय के साथ ठगी की घटना सामने आई है। जालसाज ने प्रशांत को कॉल कर कहा कि उनके खिलाफ दिल्ली में मनी लांड्रिंग तथा मानव तस्करी करने का अपराध दर्ज है। दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम उसे तथा उसके बेटे को गिरफ्तार करेगी। जालसाज ने प्रशांत को कार्रवाई में सहयोग करने एक लाख रुपए का चेक लेने के साथ अकाउंट की जांच करने के नाम पर अकाउंट डिटेल हासिल कर छह लाख 35 हजार रुपए की ठगी की।

इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने वाले लगा रहे चूना

पुलिस के अनुसार, ठगी करने के आरोप में जितने जालसाज पकड़े जा रहे हैं, उनमें ज्यादातर इंटरमीडिएट तक ही पढ़ाई किए हुए हैं। ऐसे ठग प्रोफेशनल अंदाज में लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं और शेयर ट्रेडिंग करने पर शुरू में लाभ देकर मोटी रकम अपने अकाउंट में जमा कराकर ठगी का शिकार बनाते हैं।

राशन दुकानों में समस्याओं का अंबार, समाधान की मांग को लेकर 15 हजार संचालक करेंगे हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शासकीय राशन दुकानों में समस्याओं का अंबार है। कई बार आवेदन देने के बाद भी निराकरण नहीं होने से आहत 15 हजार राशन दुकान संचालकों ने अब अक्टूबर से हड़ताल पर जाने का मन बना लिया है। प्रदेश की 5 हजार राशन दुकानों में कई समस्याएं अब बड़ा रूप ले चुकी हैं। इनमें प्रदेश की सभी दुकानों को इलेक्ट्रॉनिक मशीन ट्रायल में ई-पास मशीन से राशन वितरण के लिए बाध्य किया गया।

राजधानी में इसे देखते हुए शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ ने ज्ञापन के माध्यम से विभाग को 6 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने के लिए आगाह किया है। इसमें बताया गया है कि ई-पॉस मशीन की गुणवत्ता बहुत खराब है, इससे दिक्कत होती है। सुधार करने के लिए उचित व्यवस्था व इंस्ट्रूमेंट नहीं हैं। हर महीने सर्वर की समस्या से राशन वितरण प्रभावित होता है। इसमें बताया गया है कि विगत 5 माह से राशन का आवंटन में अनियमितता भी बरती जा रही है। भंडारण और वितरण की व्यवस्था प्रभावित है। इससे दुकानदार और उपभोक्ता के बीच विवाद होता रहता है। दुकानदार आर्थिक संकट से भी जूझ रहे हैं, क्योंकि समय पर बारदाना की राशि, मार्जिन राशि, ई-पॉस मार्जिन राशि, वित्तीय पोषण राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

मार्जिन राशि में 20 साल में एक रुपए की वृद्धि नहीं की गई है। इसके लिए कई बार मांग के बाद भी विचार नहीं किया गया है।

- खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को दी जानकारी

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 23 सितंबर 2024
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02
सोनागाछी की मिट्टी से मां दुर्गा की मूर्ति ....

लाइव इवेंट

रेलवे कर्मचारियों ने वेस्ट मटेरियल प्रयोग कर बनाई उपयोगी चीजें

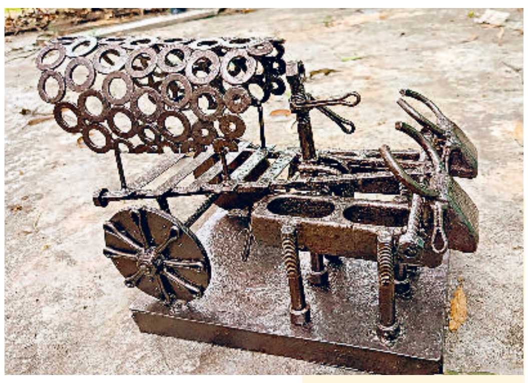

रायपुर। भारतीय रेलवे द्वारा इस वर्ष स्वच्छ भारत मिशन के 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' थीम के साथ 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के सभी स्टेशन, रेलवे परिसर सहित पटरियों, कार्य क्षेत्रों तथा गाड़ियों में प्रत्येक दिवस थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के छठवें दिन वेस्ट रिसायकल थीम पर स्वच्छता आधारित विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रायपुर मंडल के स्टेशन में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाई गई। इसके अंतर्गत वेस्ट मटेरियल से बने मॉडल्स बनाए गए, जिसे रेल कर्मचारियों द्वारा वेस्ट मटेरियल का उपयोग करके स्वच्छता संबंधित संदेश देते हुए प्रदर्शित किया गया। स्टेशनों और रेल परिसरों की सफाई के साथ ही वेस्ट मटेरियल के सही प्रबंधन के लिए संदेश भी दिए गए।

प्लास्टिक, कागज धातु का दोबारा प्रयोग

इस कार्यक्रम के तहत रेलवे स्टेशन, रेल परिसरों और अन्य संबंधित क्षेत्रों में स्वच्छता अभियानों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वेस्ट मटेरियल जैसे प्लास्टिक, कागज, धातु आदि को पुनः उपयोग, रीसाइकल करके विभिन्न उपयोगी वस्तुओं और मॉडलों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे कचरे को कम करने और स्वच्छता वातावरण बनाए रखने में मदद मिल सके। विद्यार्थियों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने की भी कोशिश की गई। 23 सितंबरको रिसाइकिल प्रोडक्ट सेल थीम पर स्वच्छता आधारित कार्यक्रम आयोजित होंगे।

विश्व साइन लैंग्वेज डे आज : मूक-बधिर बच्चों ने हरिभूमि के लिए अपनी भाषा में कहा- हैप्पी साइन लैंग्वेज डे

मूक-बधिर बच्चों के मनोभाव को समझने मां-पिता भी सीख रहे साइन लैंग्वेज, इशारों की भाषा सीखने में 8 माह का वक्त

देश के विभिन्न राज्यों की 453 भाषाओं में साइन लैंग्वेज भी एक ऐसी भाषा है, जिसके जरिए भी व्यक्ति अपनी भावनाएं, प्यार, गुस्सा और अपनापन जाहिर कर सकता है। इस भाषा की खूबसूरती के साथ अपनी जटिलता है कि इसे बोलकर नहीं इशारों से कहा जाता है। विश्व में न सुन पाने वाले लोगों को शरीर के हाव-भाव से बातचीत करना सिखाने के लिए आज साइन लैंग्वेज डे मनाया जा रहा है। इस अवसर पर हरिभूमि मूक-बधिर के स्कूल कोपलवाणी पहुंची। यहां बच्चे अपने हाथों और चेहरे के हाव-भाव से आपस में बातचीत करते नजर आए।

बच्चों के साथ पालक भी सीख रहे साइन लैंग्वेज

आमतौर पर किसी भाषा को पूरी तरह से सीखने सालभर से अधिक समय लग जाता है, लेकिन साइन लैंग्वेज सीखना और भी आसान है। कोपलवाणी संस्थापिका ने बताया कि जब बच्चे स्कूल में प्रवेश लेते हैं, उन्हें साइन लैंग्वेज में बात करना नहीं आता। एक बच्चे को बेसिक लैंग्वेज सीखने में 7 से 8 महीने का समय लग जाता है। दूसरी भाषाओं की तरह साइन लैंग्वेज का भी अपना व्याकरण और नियम है। यह लैंग्वेज चेहरे के हाव-भाव से जुड़ा होने से एक सामान्य व्यक्ति को भी आसानी से सीख लेता है। बच्चों संग साइन लैंग्वेज सीखने पालक भी स्कूल पहुंचकर क्लास में शामिल हो रहे हैं। ताकि बच्चों की भावनाओं और उनसे बात करने में आसानी हो। आम आदमी मूक-बधिर के सांकेतिक भाषा को नहीं समझते हैं। इस वजह से बधिर लोगों का दैनिक संघर्ष और कठिन हो जाता है। संस्था की ओर से पुलिस, अस्पताल, स्कूल व कॉलेज में लैंग्वेज सीखा रहे हैं, ताकि वे मूक-बधिरों की मदद कर सकें।

रायपुर। शिक्षक बिना आवाज किए साइन लैंग्वेज के जरिए वीडियो कॉल से बातचीत करते दिखे। स्कूल में छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा और मध्यप्रदेश के बच्चे भी सांकेतिक भाषा से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यहां पढ़ाई करने के बाद छात्र-छात्राएं साइन लैंग्वेज के जरिए मॉल, फ्लिपकार्ट, रिलायंस मार्ट, नुक्कड़ कैफे, टपरी कैफे आदि जगहों पर काम कर रहे हैं। कोपलवाणी स्कूल की संस्थापिका ने बताया कि मूक-बधिरों के लिए महानगर में कई स्कूल पहले से थे, लेकिन रायपुर में इसकी सुविधा नहीं थी। अक्सर मूक-बधिरों की दशा देखकर भावुक हो जाती थी। ऐसे बच्चों की मदद करने सांकेतिक भाषा सीखाने का संकल्प लिया। आज संस्था में 200 से अधिक बच्चे व युवक-युवतियां रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। पद्मा स्वयं उन्हें पढ़ाती हैं। उनका दर्द और मनोभाव को असानी से समझ लेती हैं।

पैरों से बातचीत और पेंटिंग भी

कोलवाणी में ऐसे भी शिक्षक हैं, जो मूक-बधिर होने के साथ पैरों से दिव्यांग हैं, लेकिन पैरों के माध्यम से उन्होंने सांकेतिक भाषा सीखी है। गौकरण पाटिल अपने पैरों से पेंटिंग बनाने और कंप्यूटर का प्रशिक्षण देते हैं। उनका कहना है कि सांकेतिक भाषा का एक प्रकार नहीं, यह तीन सौ तरह की होती है। इसलिए दिव्यांगों को समझना और उन्हें अपनी बात समझाना, किसी सामान्य व्यक्ति के लिए आसान नहीं होता है।

अपनी भाषा में बना रहे कॅरियर

स्कूल में साइन लैंग्वेज सीखने के बाद युवा उन जगहों पर काम कर रहे हैं, जहां सामान्य व्यक्ति काम करते हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आज साइन लैंग्वेज के बदौलत कॅरियर बना रहे हैं। स्कूल के सभी बच्चे आपस में अपनी भाषा में बात करते हैं। शिक्षकों का कहना है कि एक से दो महीने में मूक-बधिर बच्चे अपनी भावनाओं को बताने की भाषा सीख लेते हैं। भाषा का पूरा ज्ञान देने के बाद उन्हें रोजगार भी देने का प्रयास किया जाता है।

स्वयं श्रवण बाधित, आज सीखा रही सांकेतिक भाषा

कोलवाणी में श्रवण बाधित आसिया बानो भी शिक्षिका हैं। वह सात वर्षों से अधिक विद्यालय में सेवा दे रही हैं। खास बात यह है कि आसिया ने अपनी स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई सामान्य जगहों से की है। उनका कहना है कि बिना साइन लैंग्वेज की मदद से पढ़ाई करना कठिन था, लेकिन इसके वजह से पता चला कि मूक-बधिर के लिए साइन लैंग्वेज से जुड़े स्कूल और कॉलेज होने कितने जरूरी हैं। उनका कहना है कि इस समस्या पर विजय पाने के लिए उन्होंने सांकेतिक भाषा का ज्ञान प्राप्त किया।

सिटी इवेंट

ऋषि-मुनि का अनुसरण करते हुए स्वयं करें सत्य की खोज

रायपुर। विश्व नदी दिवस के अवसर पर नदी घाटी मोर्चा द्वारा लोकयन भवन में नदी जीवन पर एक महत्वपूर्ण विचार-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियों की स्थिति, पर्यावरणीय संकट, जलवायु परिवर्तन और नदियों के पुनर्जीवन पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम का संचालन और आयोजन गौतम बंधोपाध्याय द्वारा किया गया, जिसमें प्रसिद्ध फिल्म मेकर अमीर हाशमी सहित प्रदेशभर से कई विशेषज्ञ, पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की नदियों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। विशेष रूप से खनिजों का गैर-वैज्ञानिक और अव्यवहारिक उत्खनन, रेत खनन, वनों की अंधाधुंध कटाई और नदी किनारे के क्षेत्रों में अवैध निर्माण एवं कब्जा जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

अत्यधिक सूचनाओं के बोझ से खुद को दूर करें

विशेष वक्ता अमीर हाशमी ने नदी पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। उन्होंने लोगों से अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने का आह्वान करते हुए कहा कि अत्यधिक सूचनाओं के बोझ से खुद को दूर कर हमें आत्मचिंतन और विचार करने की आवश्यकता है। अमीर हाशमी ने अपनी 'बोलती नदी यात्रा' का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने छत्तीसगढ़ की सकरी नदी को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जीवन में एक लक्ष्य को निर्धारित कर उसके प्रति गंभीरता से काम करना ही सफलता का मार्ग है। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल प्रदेश की नदियों के वर्तमान संकटों पर चर्चा करना था, बल्कि नदियों के संरक्षण और पुनरुद्धार हेतु एक विस्तृत योजना बनाना भी था। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।

मुद्दों पर बिखराव से बचें

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि हमारे देश के ऋषि-मुनि, कबीर साहब, गुरु नानक, महावीर और बुद्ध सत्य की खोज के लिए घर से बाहर निकले थे, वैसे ही हमें भी सत्य की तलाश में निकलना चाहिए। जो सूचनाएं हमें घर बैठे व्हाट्सएप, न्यूजचैनल, टीवी बहस इत्यादि से मिलती है, वह अक्सर भ्रमित होती है। सत्य की तलाश में हमें अपने ऋषियों का अनुसरण करना चाहिए। वास्तविक सत्य की खोज हमें खुद करनी होती है। उन्होंने समाज के विभिन्न मुद्दों पर बिखराव से बचने की सलाह दी।

जीवन में तीन काम जरूर करें- निर्धन कन्या की शादी जरूरतमंद का इलाज, उठाएं किसी की पढ़ाई का खर्च

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की छग इकाई एवं रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर रखा गया। यहां 1016 मरीजों ने पहुंचकर अपना उपचार कराया। मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, अपने जीवन में इंसान को तीन काम जरूर करना चाहिए। इसमें किसी के बेटी की शादी, किसी जरूरतमंद का इलाज एवं एक बालक की पढ़ाई का खर्च उठाना शामिल है। इंसान को एक मूल मंत्र में काम करना चाहिए- मानव सेवा ही माधव सेवा है। कई तरह के टेस्ट यहां निशुल्क रहे। सभी आयु वर्ग के लोगों ने अपना इलाज कराया।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में आगे आए समाज

शदाणी दरबार तीर्थ के संत युधिष्ठिर लाल ने कहा, इंसान ही इंसान के काम आता है। बीजेपी प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, पूर्व सांसद सुनील सोनी, चैंबर अध्यक्ष अमर पारवानी सहित अन्य समाजगण शामिल रहे। अतिथियों ने कहा कि सभी समाज को स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। टेस्ट करवाने के अलावा लोगों ने चिकित्सकों से निशुल्क परामर्श लिया। महेश दरयानी, ललित जैसिंघ, अमर गिदवानी, राम गिडलानी, रवि ग्वालानी सहित सिंधी समाज के अन्य नागरिक शामिल रहे।

महिलाएं समूह बनाकर करेंगी गौसेवा, पाक शाला के लिए दिया दान

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस द्वारा गौसेवा का संकल्प लिया गया है। इस कड़ी में संस्था की महिलाओं ने श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल की गौशाला में सेवा दी। क्लब कि सदस्यों ने मिलकर गौशाला के लिए चारा दान किया। इसके अलावा पाक शाला में 11 हजार रुपए का राशन भी दिया, जिससे कि वहां रह रहे मरीजों को भोजन सेवा में मदद मिल सके। अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल, सचिव श्वेता शर्मा, कोषाध्यक्ष तनुश्री अग्रवाल, विनय अग्रवाल सहित क्लब के अनेक सदस्य शामिल हुए। सभी सदस्यों ने गुड़-चना और खिचड़ी खिलाकर गौसेवा की। महिला सदस्यों ने कहा कि गौशाला की हर संभव जरूरत के लिए क्लब द्वारा मदद की जाएगी। इसके अलावा समूह बनाकर गौसेवा की जाएगी।

'कल्लू कुकुर के पावर' में दिखता है त्योहारों संग व्यंग्य का ताना-बाना

रायपुर। हास्य और व्यंग्य का ऐसा ताना-बाना बहुत कम देखने को मिलता है। जिसमें तीज-त्योहारों को सरोकार से जोड़ते हुए बिना किसी राजनीतिक घटना का जिक्र किए व्यंग्य किया जाए। 'कल्लू कुकुर के पावर' किताब विमोचन के दौरान ये बातें पुस्तक प्रेमियों ने कह। लेखक विजय मिश्रा की इस किताब का विमोचन प्रेस क्लब में रविवार को हुआ, जहां बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी मौजूद रहे। व्यंग्यकार रामेश्वर वैष्णव, भाषाविद डॉ. चितरंजन कर सहित विशेष अतिथि के रूप में साहित्यकार गिरीश पंकज और डॉ. सुधीर शर्मा लोगों से मुखातिब हुए।

फूलों की जगह व्यंजनों की डलिया

किताब में 35 व्यंग्यों के संग्रह को जिस तरह से एक सूत्र में पिरोने का प्रयास किया गया, उसकी सभी ने सराहना की। पुस्तक विमोचन में मंचस्थ अतिथियों का स्वागत भी अनूठे अंदाज में किया गया। पुष्पगुच्छ की जगह पारंपरिक व्यंजनों की डलिया थमाई गई। इसके अलावा नारियल के साथ कलम दी गई। स्वागत का यह अनूठा प्रयोग पुस्तक विमोचन के दौरान चर्चा का विषय रहा। हर किसी ने ठेठरी, खुरमी, खाजा का स्वाद लेने के साथ हास्य व व्यंग्य के अनूठे प्रयोग को सराहा।

खादी महोत्सव : कश्मीर, तेलंगाना, बंगाल सहित देश के 24 राज्यों से जुटे

कार्नर न्यूज

इस फेस्टिव सीजन ट्रेंड में रहेंगे खादी आउटफिट, इनमें भी पारंपरिक डिजाइन व रंग को तवज्जो, क्योंकि ये कभी नहीं होते फैशन से बाहर

रायपुर। त्योहारों का क्रम प्रारंभ हो चुका है। इसे देखते हुए शहर में खादी महोत्सव का आयोजन किया गया है। इसमें डिजाइनर कपड़े, पर्स, जूती व सजावटी हैंडमेड वस्तुएं लाई गई हैं। विभिन्न राज्यों के अनुभवी कारीगरों द्वारा निर्मित कुशल शिल्प कला का प्रदर्शन स्टॉल में देखा जा सकता है। कश्मीर से लेकर मप्र, पंजाब, उत्तरप्रदेश, तेलंगाना, बंगाल, गुजरात व राजस्थान के व्यापारियों ने यहां शिरकत की है। देश के 24 राज्यों से व्यापारी यहां उपस्थित हैं। शहर स्थित ग्रास मेमोरियल ग्राउंड में खादी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

नवरात्रि के लिए जूती व चुड़ी

शम्सुद्दिन गौरी ने राजस्थान से डिजाइनर जूती, लॉक की चुड़ी व सजावटी वस्तुएं के साथ स्टॉल सजाई है। महिलाओं के लिए लॉक की चुड़ी मुख्य आकर्षण का केंद्र है, जिसमें अनेक डिजाइन व रंगों की चुड़ी शामिल है। स्टॉल संचालक ने बताया, दुकान में राजस्थानी डिजाइनर जूती उपलब्ध है। जिसकी कीमत 150-500 तक है। दुकान में नवरात्रि को ध्यान में रखते हुए चुड़ी, सजावटी वस्तुएं व जूती लाई गई है, जिसे श्रृंगार में शामिल किया जा सकता है।

स्वदेशी खादी महोत्सव के संचालक अनुराग मिश्रा ने बताया, शनिवार से आयोजित मेला एक माह निरतंर जारी रहेगा। यह आयोजन नवरात्रि व दशहरा के उपलक्ष्य में लगाया गया है। रविवार को सुबह से ही महोत्सव परिसर में खरीदारों की भीड़ देखने को मिली, जहां भारतीय पारंपरिक परिधान एवं हस्तशिल्प की खरीदी करते वे नजर आए। खादी महोत्सव में आकर्षण का केंद्र बिहार का भागलपुर कपड़ा, असम का मुगा सिल्क, बंगाली काथा सिल्क साड़ी, वाराणसी सिल्क साड़ी सहित अन्य पारंपरिक परिधान हैं। यहां 150 से अधिक स्टॉल सजाए गए हैं, प्रत्येक स्टॉल में सौ से अधिक डिजाइनर ड्रेस मौजूद है।

विदेशों में भी खादी की खरीदी

एक स्टॉल संचालक बाल मुकुंद कुशवाहा ने बताया, दुकान में हैंडलुम खादी से निर्मित कपड़ा मौजूद है। जिसे चादर, दरी, कंबल की तरह उपयोग किया जा सकता है। इसकी विशेषता यह है कि कपड़ा लंबे समय तक चलता है और खराब नहीं होता। प्रत्येक वर्ष देश-विदेश में इसकी बिक्री की जाती है, जिसमें 15-20 लाख से अधिक का मुनाफा होता है। एक कपड़े को तैयार करने में 4-5 दिन का वक्त लगाता है। इसे तैयार करने में 500 लोगों समूह निरंतर कार्य करता है।

मधुबनी प्रिंट और काथा वर्क

दुकान संचालक संजू पाल के स्टॉल में 100 से अधिक डिजाइन की साड़ी मौजूद है। जिसमें मधुबनी प्रिंट, विष्णुपुर से बालू चूड़ी प्रिंट, काथा वर्क, मीनाकारी वर्क, ब्लॉक प्रिंट, नीडल वर्क से तैयार हैंडलुम साड़ी शामिल है। नवरात्रि के अवसर पर टिशू सिल्क पर तैयार की गई डिजाइनर साड़ी लाई गई है। इसकी कीमत 500 रुपए से शुरु होकर 5 हजार तक है। प्रत्येक माह साड़ियों की डिमांड बनी रहती है, लेकिन पारंपरिक डिजाइन के प्रति खरीदारों का अधिक रुझान रहता है।

शारदीय नवरात्रि के लिए माना व रायपुरा में मूर्तियों को दिया जा रहा अंतिम स्वरूप

सोनागाछी की मिट्टी से मां दुर्गा की मूर्ति को स्वरूप दे रहे बंगाल के मूर्तिकार, शिव परिवार संग दिखेगा सौम्य रूप

जैसे-जैसे शारदीय नवरात्रि करीब आ रही है, माता को अलग-अलग स्वरूप देने वाले पश्चिम बंगाल के मूर्तिकारों ने काम की रफ्तार बढ़ाई है। मूर्तिकार माता के स्वरूप में ज्यादा बदलाव भी नहीं कर रहे हैं। हर साल की तरह इस बार भी शेरावाली को सौम्य रुप के साथ नौ रूपों को आकार दे रहे हैं। इसके साथ ही शिव परिवार में भोलेनाथ को नंदी के साथ तो गणेश को मूषक की सवारी करते हुए आकार देने के लिए लोगों ने बुकिंग करवाई है। बंगाली पैटर्न के साथ ही माता की प्रतिमा को स्थापना के लिए बाल स्वरूप भी दे रहे हैं।

रायपुर। राजधानी में इस शारदीय नवरात्र में धूमधाम से माता की स्थापना व सेवा की तैयारी जोर पकड़ने लगी है। रायपुरा व माना में मूर्ति बनाने वाले सुजीत सरकार, सुरेश प्रजापति, मधु प्रजापति, रंजित विश्वास ने पश्चिम बंगाल के कारीगरों को मूर्ति बनाने बुलाया है। सोनागाछी से मंगाई गई मिट्टी से माता को स्वरूप देना बीते माह से ही प्रारंभ कर दिया गया था। मूर्तिकारों ने बताया कि इस बार सोनागाछी की मिट्टी प्रति बोरी (25 किलो) दो हजार रूपए में खरीदना पड़ रहा है। 8 से 10 साल पहले प्रति बोरी मिट्टी 500 से 700 रुपए में मिलती थी। इस बार मिट्टी की कीमत ज्यादा चुकानी पड़ रही है। अभनपुर, उरला, पाटन व केन्द्री क्षेत्र से काली मिट्टी प्रति ट्रेक्टर 28 से 35 सौ में मिल रहा है। पैरा का दाम भी 4 से 6 हजार रूपए ट्राली हो गया है। इसका असर प्रतिमा बनाने वाली समितियों पर पड़ रहा है। उन्हें प्रति मूर्ति के हिसाब से 25 से 40 हजार रूपए ज्यादा देने होंगे।

बंगाली पैटर्न भी इस बार खास

मूर्तिकार बिरेन्द्र साहू ने बताया, बंगाली पैटर्न भी इस बार खास तौर से तैयार किया जा रहा है। 20 से 22 फीट ऊंची मूर्ति में मां दुर्गा शेर तो सरस्वती और मां लक्ष्मी भी अपने-अपने सवारी संग पंडालों में नजर आने वाली हैं। इसके साथ ही जटा में गंगा का प्रवाह लिए हुए शिव भी कुनबे सहित पंडाल में विराजमान होंगे। इस तरह की मूर्ति पिछले सीजन में 1.50 लाख में बुक की गई थी, जो इस बार 1.90 लाख एवं दो लाख में भी बुक की गई है। मूर्तिकार ने कहा, लोग जिस तरह का काम बताते हैं, उसके अनुसार ही मूर्तियों की कीमत तय की जाती है। मूर्ति को सजाने के लिए कोलकाता से ही नहीं बल्कि अब राजनांदगांव, दुर्ग से भी श्रृंगार सामग्री आर्डर देकर मंगाई जाती है।

बंगाली पैटर्न के अलावा बाल स्वरूप में भी तैयार हो रही प्रतिमाएं

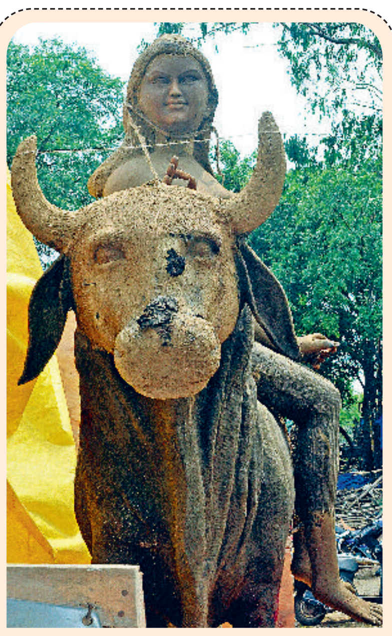

25 के बाद आंख खोलने का क्रम

माना के साथ रायपुरा में भी मूर्तिकार प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में लगे हैं। कारीगरों ने बताया कि मूर्ति को 25 सितंबर के बाद सजाने-संवारने या यूं कहें कि आंख खोलने का क्रम किया जाएगा। इस काम को पश्चिम बंगाल के मजे हुए मूर्तिकार ही करते हैं। स्थानिय कारीगर प्रतिमा को स्वरूप देने और ढाचा तैयार करने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस बार 3 अक्टूबर को माता की स्थापना होगी। इसके चलते ज्यादातर समितियों ने 2 अक्टूबर तक मूर्ति ले जाने की सूचना दी है। इसे देखते हुए 2-3 दिन बाद प्रतिमा को फाइनल टच दिया जाएगा। इसके बाद एक्सपर्ट श्रृंगार करने के बाद बुक कराने वाली समितियों को देने वाले हैं।

सौम्य व बाल स्वरूप वाली मूर्ति

अरविंद घोष ने बताया कि इस बार पश्चिम बंगाल और स्थानीय मूर्तिकारों द्वारा साथ में माता की प्रतिमा को आकार दिया जा रहा है। इस बार सोनागाछी से मंगाई जाने वाली गंगा मिट्टी की कीमत दो हजार रूपए प्रति बोरी हो गई है। इसके चलते मूर्तियों के रेट में 20 से 40 हजार तक का अंतर आने वाला है। इसके बारे में आर्डर देने वाले समिति के लोगों को भी पहले से ही बता दिया गया है। इस बार भी माता के स्वरूप को ज्यादातर समितियों ने सौम्य रूप में ही तैयार करने ऑर्डर दिए हैं। कई समिति के लोग मां शारदा के साथ शिव परिवार और माता के नौ रूपों के साथ ही उनके बाल स्वरूप को भी स्थापित करने के लिए प्रतिमा बनवा रहे हैं। अभी सभी मूर्तियां अंतिम चरण में हैं।

सिटी लाइव

राज्यभर से जुटे बच्चे, अपने अंदाज में पेश किया नातिया

रायपुर। सीरतुन्नबी कमेटी ने जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शहर के शहीद स्मारक भवन में छत्तीसगढ़ स्तरीय नातिया प्रोग्राम का आयोजन किया। इस क्विज व नातिया प्रतियोगिता में धमतरी, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर के बच्चों ने शिरकत की। सभी प्रतिभागियों ने खूबसूरत अंदाज में हजरत साहब की शान में नातिया पेश करते हुए हर किसी को प्रस्तुति से जोड़ने का प्रयास किया। मुख्य अतिथि ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि हजरत मोहम्मद साहब ने शांति और भाईचारे का संदेश दिया है। उन्होंने जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता को सफलता से संचालित करने के लिए हाजी शहजाद साहब, इकबाल शरीफ सहित पूरी टीम को मुबारकबाद देते हुए कहा कि इस तरह के प्रोग्राम समय-समय पर होने चाहिए।

समूह में भी पेशकश

कमेटी के सदर हाजी मो मुख़्तार अशरफी व जनरल सेक्रेटरी हाजी शेख शोबी जमील ने अलग-अलग शहरों से आए मेहमानों और सहयोगियों का दिल से आभार किया। इससे पहले सभी प्रतिभागियों ने अपने अंदाज में हजरत साहब की शान में नातिया पेश करते हुए लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। किसी ने ग्रुप तो कुछ प्रतिभागियों ने अकेले नातिया पेश करते हुए लोगों को बेहतर माहौल दिया। सोहेल सेठी, इरफान जिलानी, हाजी शेख नाजीमुद्दीन, हाजी जावेद राजा, हाजी बदरुद्दीन खोखर, शफीक अहमद, नदीम मेमन प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

कैंपस लाइव

प्रोफेसर्स ने छात्रों के लिए लिखी कविताएं, साझा की भावना

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की राजभाषा समिति द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 9 से 23 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम "आह्वान" के अंतर्गत कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी क्रम में फैकल्टी मेंबर्स और कर्मचारियों के लिए कविता वाचन, कहानी पूरी करो और शब्द रचना जैसी स्पर्धा शामिल रही। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डॉ. सूरज मुक्ति ने अपने छात्रों को समर्पित एक स्व-रचित कविता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वास्तुकला विभाग के डॉ. विवेक अग्निहोत्री ने अपनी कविता के माध्यम से हिंदी की सुंदरता को व्यक्त की।

समझाई जिंदगी में भाषा की महत्ता

भौतिकी विभाग के डॉ. आयुष खरे ने भी अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं, जिनमें 'चढ़ सफलता के सोपान' में छात्रों के संघर्षों को दर्शाया गया तथा 'हिंदी सीखें क्या' में रोजमर्रा की जिंदगी में हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाया गया। इसी कड़ी में चक्रव्यूह कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के लिए आकर्षक खेलकूद प्रतियोगिताएं जैसे डोज बॉल, खजाना खोज प्रतियोगिता तथा बौरा दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सांस्कृतिक अभिव्यक्ति तथा एकता के साधन के रूप में हिंदी के महत्व को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया।

समाज इवेंट

कड़ा, चूड़ी और हेयर क्लिप से कर सकते हैं आत्मरक्षा

रायपुर। सरयू परिंण ब्राह्मण समाज द्वारा संजय नगर स्थित तुलसी भवन में स्वास्थ्य शिविर, सुरक्षा एवं केवायसी मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान 173 लोगों का निशुल्क स्वास्थ परीक्षण कर उपचार किया गया। महिला एवं बच्चों के लिए सुरक्षा टिप्स विजयकांत शर्मा द्वारा दिए गए। वे एसपीजी कमांडो एवं सोनिया गांधी के सुरक्षा अधिकारी रह चुके हैं। इन्होंने 47 महिलाओं और बच्चियों को मार्गदर्शन देते हुए मोबाइल, कड़ा, चूड़ी और हेयर क्लिप से खुद की रक्षा की जानकारी दी। समाज के 213 लोगों की केवायसी बनाई गई तथा अपडेट की गई। आयोजन में साउथ इंडियन सहित छत्तीसगढ़ी व्यंजन का आनंद लिया गया।

सभी की गलतियां माफ कर देते हैं जगन्नाथ

मुख्य अतिथि विधायक पुरंदर मिश्रा रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, सबको भगवान जगन्नाथ का कार्यकर्ता बनना चाहिए। श्री जगन्नाथ अपने कार्यकर्ताओं की गलतियों को माफ कर देते हैं। अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष डॉ.सुरेश शुक्ला ने की। समाज प्रवक्ता संजय तिवारी, कैलाश तिवारी, आरएल द्विवेदी, बैजनाथ मिश्रा, अंकुश शुक्ला सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे। समाज के युवक-युवतियों सहित वरिष्ठ जनों ने बड़ी संख्या हिस्सा लिया।

पहली बार छत्तीसगढ़ में रखी गई राइडर्स मीट

टायर थ्रो का दिखा रोमांच, 'स्लो रेस' में बाइकर्स बनाते रहे गति संतुलन

प्रदेशभर से शामिल हुए बाइक सवार

रायपुर। 36 राइडिंग क्लब द्वारा रविवार को 'छत्तीसगढ़ राइडर्स मीट 2024' का आयोजन किया गया। रविवार को शहर के निजी होटल यह आयोजन रखा गया। इसके अंतर्गत ऑफ रोड्स ट्रैक, स्लो रेस, बाइक टोइंग, आर्म रेसलिंग, रस्साकशी व टायर थ्रो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी राइडर्स ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। क्लब के सदस्य अमित बाघ ने बताया, प्रदेश में पहली बार राइडर्स मीट का आयोजन किया गया। क्लब में शामिल सदस्य प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में राइड का आनंद ले चुके हैं। यहां प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के साथ ही उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए। इसमें यादगार राइड लद्दाख, नॉर्थ ईस्ट, राजस्थान एवं दक्षिण राज्यों का सफर रहा। इस वर्ष क्लब के सदस्यों द्वारा मध्य भारत भ्रमण यात्रा की योजना तैयार की गई है।

300 से अधिक राइडर्स हुए शामिल

ऑफ रोड ट्रैक पर राइडर्स द्वारा स्टंट दिखाया गया। इस दौरान 200 से अधिक दर्शकों की भीड़ देखने को मिली। छत्तीसगढ़ राइडर्स मीट में 300 से अधिक राइडर्स शामिल हुए। जिसमें प्रदेश से दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, राजनांदगांव, कोरबा, जगदलपुर, बस्तर व अन्य स्थानों से राइडर्स शामिल हुए। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बाइकिंग कम्यूनिटी को मंच प्रदान करना रहा। सुबह से प्रारंभ हुआ राइडर्स मीट देर शाम तक चला। आयोजन के दौरान यातायात विभाग और पुलिस की टीम उपस्थित रही। जिन्होंने यातायात नियमों व नशे के खिलाफ लोगों को जागरुक करने की बात कही।

कृष्ण भक्ति में रमे नन्हे

रायपुर। कृष्ण भक्ति आधारित गीतों में जब बच्चों ने प्रस्तुति दी तो पूरा हॉल भक्तिमय हो गया। मौका था अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह का। अशोका रतन के वीआईपी मोहल्ला समिति में यह आयोजन किया गया। यहां बच्चों ने मोहक प्रस्तुतियां दी। अलग-अलग थीम और संगीत में प्रस्तुतियां दे रहे बच्चों ने कई सामाजिक संदेश भी दिए। उनकी हौसला अफजाई करने पालक भी मौजूद रहे। उद्घाटन एडिशनल डायरेक्टर डीजीजीआई विनोद ने किया।

ज्वेलरी मेकिंग में दिखी प्रतिभा

मोहल्ला संयोजक अजय अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम दिन हैट पेंटिंग, ज्वेलरी मेकिंग, किड्स डांस एंड फैंसी ड्रेस, मिस्टर मिस एंड मिसेज अग्रवाल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ज्वेलरी मेकिंग में भाग लेने वाले अधिकतर प्रतिभागी महिलाएं और युवतियां रहीं। उन्होंने घरों में आसानी से उपलब्ध हो जाने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल करते हुए आभूषण बनाए।

नेत्र विशेषज्ञ सम्मेलन : राजधानी में जुटे देशभर से 120 विशेषज्ञ

14 साल तक बच्चों को फोन से रखें दूर, कामकाजी व्यक्ति फॉलो करें 20-20-20 रूल अर्थात 20 मिनट बाद 20 सेकंड तक 20 फीट दूर देखें

कार्नर न्यूज

रायपुर। नेत्र विशेषज्ञों का सम्मेलन रविवार को शहर में आयोजित किया गया। जहां कर्नाटक से डॉ.दीपक मेगुर विशेष व्याख्याता के रुप में उपस्थित रहे। एमजीएम नेत्र संस्थान द्वारा यह आयोजन किया गया। अन्य विशेषज्ञ भी कार्यक्रम का हिस्सा बने। डॉ.अनिल ने रेटिना संबंधित, डॉ. सम्राट चटर्जी ने राइनोस्पोरिओडोसिस एलर्जी संबंधित व्याख्यान दिए। डॉ. मिहिर मिश्रा और डॉ.देवाशीष दास द्वारा नेत्र रोग संबंधित जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रदेश भर से 120 विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहे। सम्मेलन में उपचार की नई तकनीक सहित नेत्र संबंधित कठिन समस्याओं पर चर्चा की गई।

मोतियाबिंद ऑपरेशन से पहले डॉक्टर से पूछें तीन सवाल

डॉ.दीपक मेगुर ने हरिभूमि से चर्चा के दौरान नेत्र संबंधित कई जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, सावधानी बरतने के लिए इलाज के दौरान मरीज अपने चिकित्सक से तीन प्रश्न जरुर पूछे। पहला- दृष्टि कम होने की वजह क्या है? दूसरा-अर्जेंट ऑपरेशन कराना जरुरी है या नहीं? और तीसरा-कितने दिन के अंदर सुधार देखने को मिलेगा?

तालाब का पानी पहुंचाता है आंखों को नुकसान

डॉ.मिहिर मिश्रा ने बताया, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब मौजूद है। जहां इंसानों के अलावा पालतु पशु भी स्नान करने पहुंचते हैं। पशुओं के त्वचा वाला पानी का प्रयोग करने से व्यक्ति के आंखों पर बुरा असर पड़ता है। जिससे आंखो में इंफेक्शन हो जाताा है, इससे राइनोस्पोरिओडोसिस की समस्या होने का खतरा होता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक को एक निश्चित समय से अधिक वक्त तक स्क्रीन में नहीं देखना चाहिए। लगातार स्क्रीन देखने से आंखों में जलन और दर्द की समस्या हो जाती है। इससे बचने के लिए कुछ वक्त का ब्रेक व ब्लिंग करते रहे।

धूप में खेलना फायदेमंद

चर्चा के दौरान डॉ. दीपक ने बताया, वर्तमान में बच्चे फोन का उपयोग अत्यधिक कर रहे हैं। परिजनों को 14 वर्ष तक फोन से बच्चों को दूर रखने का प्रयास करना चाहिए, जो उनके स्वास्थ्य व नेत्र के लिए फायदेमंद है। 14 साल की उम्र तक ऑउटडोर गेम्स में फोकस करे और धूप में खेलने की स्वतंत्रता दे। एमजीएम संस्थान की डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल ने कहा, पूरे विश्व में अंधत्व का प्रमुख कारण मोतियाबिंद है। जिसका उपचार ऑपरेशन द्वारा संभव है। डॉ.मेगुर ने बताया, काम के दौरान आंख को आराम देना जरुरी है। लगातार काम करने की स्थिति में चश्मा लगाकर काम करने का प्रयास करें। स्क्रीन पर अधिक वक्त तक काम करने के लिए 20-20-20 का रुल फॉल करे। जिसमें 20 मिनट काम करें, 20 सेकेंड ब्रेक ले और ब्रेक के दौरान 20 फीट दूर देखने को प्रयास करें। लगातार काम करने की स्थिति पर आंखों को ब्लिंक करते रहे, इससे आंखों की ड्राइनेस कम हो जाएगी।

अब टैली स्क्रीन तकनीक का प्रयोग

रेटिना विशेषज्ञ डॉ.अनिल बी गांगवे ने बताया, नेत्र में समस्या अन्य बीमारियों के कारण भी हो सकती है। इसमें सिकलसेल, ब्लड केंसर, आरओपी व अन्य बीमारी के नाम शामिल है। इन बीमारियों का सीधा प्रभाव आंखो की रेटिना पर पड़ता है, जो एक वक्त के बाद समस्या का बड़ा आकार ले सकता है। आंखों की जांच करने लिए नई तकनीक की सहायता ली जा रही। जिमसें एक स्थान पर रहकर डॉक्टर मरीज की समस्या को देख सकते है। जिसे टैली स्क्रीन कहा जाता है, जो जांच के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। डॉ. सम्राट चटर्जी ने कहा, कृषि प्रधान प्रदेश होने के कारण छग में आंखों की कुछ समस्या लगभग प्रत्येक किसान को होती है।

सिटी स्पोर्ट्स

सीनियर वुमेंस क्रिकेट में छत्तीसगढ़ की जीत, ऋतु और ऐश्वर्या की शानदार पारी

रायपुर। पुदुच्चेरी क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा सीनियर वुमेंस मल्टी स्टेट टी-20 क्रिकेट टुर्नामेंट 2024 का आयोजन 18 सिंतबर से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा मैच रविवार को पुदुच्चेरी में पुदुच्चेरी सीनियर टीम के विरुद्ध खेला गया। पुदुच्चेरी सीनियर वुमेंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पुदुच्चेरी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 73 रन बनाए। पुदुच्चेरी की ओर से युवाश्री ने सर्वाधिक 34 रन बनाये। साथ ही अनिका ने 14 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ की ओर से ऋतु मेश्राम ने 3 विकेट, उर्मिला तथा कृति गुप्ता ने 2-2 विकेट प्राप्त किए। 74 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ सीनियर वुमेंस की टीम ने 13.1 ओवरों में 2 विकेट खोकर 76 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। छत्तीसगढ की ओर से कुमुद साहु ने सर्वाधिक 29 रनों योगदान दिया तथा ऐश्वर्या सिंह ने 27 रन बनाये। वही पुदुच्चेरी की ओर से अमृता तथा अनिका ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ ने 8 विकेट से मैच जीत लिया।

पूर्वी और शगुन ने किया कमाल छत्तीसगढ़ को दिलाया पदक

रायपुर। गुजरात के वड़ोदरा शहर के वघोड़िया स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स वड़ोदरा गुजरात में अस्मिता ताईक्वाडो वूमेंस लीग खेलो इंडिया का आयोजन 20 से 22 सितंबर तक किया गया। छत्तीसगढ़ ताइक्वाडो संघ के महासचिव अनिल द्विवेदी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के 36 खिलाड़ियो ने प्रदेश का टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 2 कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। दोनों खिलाड़ी कोरबा ज़िले से है। पूर्वी कंवर ने कैडेट वर्ग में अंडर 55 किलोग्राम वजन समूह में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के लिए कांस्य पदक जीता वही शगुन जांगड़े ने भीं कैडेट वर्ग अंडर 58 किलोग्राम में उम्दा प्रदर्शन करते हुए राज्य के लिए कांस्य पदक अर्जित किया। ज़ोनल स्तर की असमिता खेलों इंडिया लीग छ्त्तीसगढ़ सहित मेज़बान गुजरात, दिल्ली, उत्तर प्रदेश,राजस्थान , हरियाणा, चण्डीगढ़, हिमाचल प्रदेश उतराखण्ड , जम्मू कश्मीर , लद्दाख, साईं, मध्य प्रदेश के क़रीब 600 खिलाड़ियो के मध्य मुक़ाबला हुआ। जिसमें राज्य इन दोनों खिलाड़ियो ने पदक जीते है। खिलाड़ियो की जीत पर छत्तीसगढ़ ताईक्वाडो संघ के अध्यक्ष टी एस सिंहदेव, ज़िला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष अखिल अग्रवाल सचिव लोकेश राठौर ने बधाई दी है। पूर्वी और शगुन दोनों अब कर्नाटक के शिवमोगा शहर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जाएगी।

पावर लिफ्टिंग में दम दिखाया खिलाड़ियों ने

रायपुर। छत्तीसगढ़ वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग इंडिया एसोसिएशन के तत्वाधान में डिस्ट्रिक्ट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन रविवार को ताम्रकार प्लेटिनम फिटनेस जिम लाखे नगर चौक रायपुर में किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार ने बताया कि प्रतियोगिता में रायपुर, अभनपुर, राजिम, धरसीवा, तिल्दा व खरोरा के करीब 45 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि नगर निगम रायपुर तिलक नगर वार्ड के समाजसेवी पुरषोत्तम देवांगन थे। मुख्य निर्णायक नेशनल रेफरी लखपति सिंदूर, धर्मेंद्र दास, प्रदीप क्षत्रिय, अमित रामटेके, राजेश साहू, सहायक निर्णायक स्टेट रेफरी डीएसएन राव, मंजू पटेल, दिशा पटेल और माताशरण साहू ने अपना योगदान दिया।

फुटबॉल के फाइनल में बीएसपी ब्लू ने बीएसएफ भिलाई को हराया

रायपुर। सीमांत मुख्यालय (विशेष-संक्रिया) सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) छत्तीसगढ़ के स्थापनां दिवस पर तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल मैच मैत्री पार्क फुटबॉल मैदान, मरोदा सेक्टर में खेला गया। बीएसएफ और बीएसपी ब्लू की टीम के मध्य हुए फाइनल मुकाबले में बीएसपी ब्लू की टीम द्वारा अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल मैच को 2-1 से जीत लिया।महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में एमजीएम एंबुश की टीम ने यूनिवर्सल फुटबाल क्लब को 1-0 से हराया।

दुनिया भर में चिंता का विषय बन रही संक्रामक बीमारियां

पैक्ड फूड-बोतलों से शरीर में पहुंच रहे हैं 3600 से अधिक रसायन, कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा

दुनियाभर में बढ़ती क्रोनिक बीमारियां गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले दो-तीन दशक के आंकड़े उठाकर देखें तो पता चलता है कि 90 के दशक में जिन स्वास्थ्य समस्याओं को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कतों को रूप में जाना जाता था, वह आज के समय में युवाओं और बच्चों में भी देखी जा रही हैं।

इस संबंध में किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि कई तरह के पर्यावरणीय और आहार में गड़बड़ी वाले कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि हम सभी खान-पान के माध्यम से रोजाना जाने-अनजाने कई प्रकार के रसायनों को निगल रहे हैं, जिनसे सेहत को गंभीर खतरा हो सकता है। एक हालिया रिपोर्ट में शोधकर्ताओं की टीम ने चेताया है कि खान-पान की चीजों के माध्यम से हमारे शरीर में दैनिक रूप से कई प्रकार के हानिकारक तत्व प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यरूप से पैक्ड फूड वाली प्लास्टिक की थैलियों, बोतलों, कंटेनर और प्लास्टिक बैग के माध्यम से रसायन और माइक्रोप्लास्टिक हमारे शरीर में पहुंच रहे हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि इनमें से कई कैंसर, स्थाई आनुवंशिक परिवर्तन, प्रजनन प्रणाली में गड़बड़ी और शरीर में विषाक्तता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने कहा, हम इन चीजों से इस किदर घिरे हुए हैं कि खतरे को समझते हुए भी इनसे दूरी नहीं बना पा रहे हैं, ये भविष्य के लिए निश्चित ही बहुत समस्याकारक स्थिति हो सकती है।

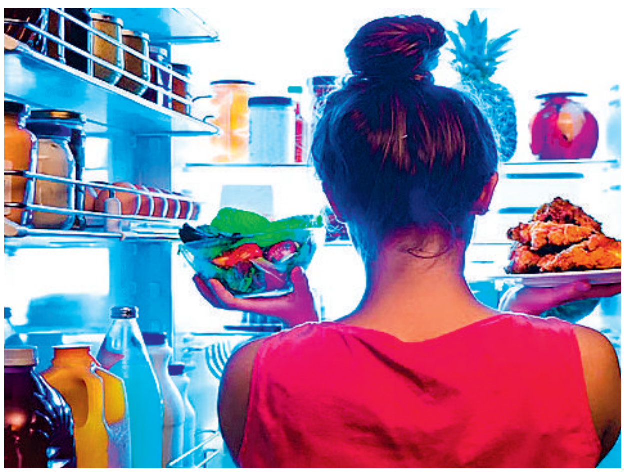

14,000 से अधिक रसायनों की पहचान

जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायरमेंटल एपिडेमियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने भोजन के संपर्क में आने वाले 14,000 से अधिक अलग-अलग रसायनों-यौगिकों की पहचान की है। नए अध्ययन से पता चला है कि उनमें से करीब 3,601 मानव शरीर में पाए गए हैं। इसे फूड कॉन्टैक्ट कैमिकल (एफसीसी) का करीब 25 फीसदी माना जा सकता है। वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है कि इनमें से अधिकांश रसायनों के बारे में बहुत ज्यादा पता भी नहीं है कि ये हमारे शरीर को किस-किस तरह से नुकसान पहुंचा सकते हैं? ज्यादातर ज्ञात रसायनों को कैंसर कारक और प्रजनन विकारों के लिए जिम्मेदार पाया गया है।

कई पर लगाया जा चुका है प्रतिबंध

वैज्ञानिकों ने बताया कि इन हानिकारक रसायनों और तत्वों में बिस्फेनॉल ए (BPA) को प्रमुख रूप से हाइलाइट किया गया है। अध्ययनों में इसके कई दुष्प्रभावों के बारे में पता चलता है। इससे होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण कई जगहों पर इसे प्रतिबंधित किया जा चुका है। मुख्यरूप से कंटेनरों और शिशु की बोतलों में इस कैमिकल की पहचान की गई थी। इतना ही नहीं उत्पाद बनाने वाली कंपनियों को निर्देश भी दिया गया है कि वह स्पष्ट करें कि ये बीपीए फ्री हैं या नहीं?

रसायनों के बारे में अब भी जानकारियों की कमी

शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक की थैलियों, बोतलों, कंटेनर के माध्यम से शरीर में कई प्रकार के मेटेल, कीटनाशक और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक भी पाए जो सांस के साथ शरीर में जा सकते हैं। इसके अलावा फथलेट्स रसायन को लेकर भी चिंता जताई गई है जिनका उपयोग प्लास्टिक, परफ्यूम-डियोड्रेंट और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। टीम ने इंसानों के शरीर में पाए जाने वाले एफसीसी के बारे में जानने की कोशिश की तो पता चला कि कई रसायनों और यौगिकों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारियों का अभाव है।

वेट ट्रेनिंग के दौरान हो सकती हैं ऐसी समस्याएं

जो लोग अपनी फिटनेस को लेकर अधिक जागरुक होते हैं, वे अपने वर्कआउट रूटीन में वेट ट्रेनिंग को जरूर शामिल करते हैं। वेट ट्रेनिंग ना केवल आपको अधिक फिट बनाती है, बल्कि इससे आपकी बॉडी अपीयरेंस भी बेहतर होती है। इतना ही नहीं, इससे आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के फायदे मिलते हैं। जब आप वेट ट्रेनिंग करते हैं तो इससे आपका शरीर अधिक मजबूत बनता है, साथ ही साथ मसल्स भी बिल्डअप होती हें। वेट ट्रेनिंग के दौरान आपकी बॉडी से हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं, जिसकी वजह से आपका तनाव कम होता है और मूड भी अच्छा होता है।

इस तरह अगर देखा जाए तो आपकी ओवर ऑल फिटनेस व हेल्थ को इंप्रूव करने में वेट ट्रेनिंग काफी मददगार है। हालांकि, जब आप वेट ट्रेनिंग करते हैं तो इस दौरान आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आप अपने वर्कआउट का अधिकतम लाभ उठा सकें। अन्यथा आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में वेट ट्रेनिंग के दौरान होने वाली कुछ समस्याओं और उनसे निपटने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपके बेहद काम आएंगे-

चोट लगने का रिस्क

कई लोग मसल्स स्ट्रेन, जोड़ों में दर्द या लंबे समय तक नुकसान पहुंचाने वाली चोटों से डरते हैं और इसलिए वेट ट्रेनिंग करने से बचते हैं। यकीनन वेट ट्रेनिंग के दौरान आपको इस तरह की चोटों या दर्द आदि का रिस्क काफी बढ़ जाता है। लेकिन अगर आप वार्म-अप, सही तरीके से एक्सरसाइज करना, सही वजन का उपयोग करना और ट्रेनर से सलाह आदि लेते हैं तो इससे आप अपने शरीर व फिटनेस गोल्स के अनुसार वेट ट्रेनिंग कर पाते हैं।

बहुत अधिक मसल्स ग्रोथ होना

बहुत सी महिलाएं वेट ट्रेनिंग इसलिए नहीं करना चाहती हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वेट ट्रेनिंग के दौरान मसल्स बिल्डअप होने से उनका शरीर बल्की नजर आएगा। हालांकि, आपको यम समझना चाहिए कि वेट ट्रेनिंग से आम तौर पर लीन मसल्स ही डेवलप होती है। एक खास तरह से मसल्स बिल्डअप करने के लिए आपको एक विशेष तरह की डाइट व ट्रेनिंग रूटीन की जरूरत होती है। हैवी वेट ट्रेनिंग और हाई कैलोरी इनटेक पर अतिरिक्त ध्यान ना देने पर आपका शरीर बल्क की जगह टोन नजर आएगा।

समय को लेकर समस्या होना

कुछ लोगों को यह चिंता होती है कि उनका शेड्यूल बहुत बिजी है और ऐसे बिजी रूटीन में फिट होने के लिए वेट ट्रेनिंग में बहुत अधिक समय लगता है। इतना समय निकाल पाना उनके लिए काफी कठिन है। लेकिन सही तरह से वेट ट्रेनिंग सेशन 30-45 मिनट में, सप्ताह में 3-4 बार किए जा सकते हैं।

पितरों की तस्वीर मंदिर में रखनी चाहिए या नहीं

वास्तु शास्त्र में इस बात का उल्लेख मिलता है कि घर के मंदिर में कौन सी चीजें रखनी चाहिये और कौन सी चीजें रखने से बचना चाहिए। इसी कड़ी में जानेंगे कि क्या घर के मंदिर में पितरों की तस्वीर रखनी चाहिए है या नहीं।

घर के मंदिर से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें वास्तु शास्त्र में बताई गई हैं जिनका पालन आवश्यक माना गया है। इन्हीं में से एक है घर के मंदिर में क्या रखना सही है और क्या रखना गलत है। यानी कि वास्तु शास्त्र में इस बात का उल्लेख मिलता है कि घर के मंदिर में कौन सी चीजें रखनी चाहिये और कौन सी चीजें रखने से बचना चाहिए। इसी कड़ी में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से जब हमने पूछा कि क्या घर के मंदिर में पितरों की तस्वीर रख सकते हैं तो उन्होंने हमें इस बारे में कई दिलचस्प बातें बताई। चलिए आपको भी बताते हैं कि क्या घर के मंदिर में पितरो की फोटो रखना सही है या नहीं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मंदिर में पितरों की तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। इससे देवी-देवता नाराज हो जाते हैं। असल में पितरों का स्थान देवी-देवताओं से नीचे माना गया है। ऐसे में अपने पितरों की फोटो मंदिर में रखना गलत है।

पितरों को घर के मंदिर में स्थापित करने का अर्थ है उन्हें देवी-देवताओं के समान मानना और उनके समकक्ष बैठाना।इसके अलावा, मंदिर में पितरों की तस्वीर रखने से वास्तु दोष तो लगता ही है। साथ ही, नकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ती है। घर के मंदिर में पितरों की तस्वीर रखने से पितृ दोष भी लगता है। पितृ खुद भी पूरे परिवार से नाराज हो जाते हैं।

आप कैसा घी खा रहे हैं, खुद परख लीजिए

पिछले कुछ दिनों से तिरुपति बालाजी मंदिर चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, वहां बनने वाले प्रसाद में मिलावट की शिकायत की गई थी। इसके बाद हुई जांच में पता चला कि लड्डु बनाने के लिए जो घी इस्तेमाल होती है वह एनिमल फैट से बना है। ऐसा माना जाता है कि घी में मिलावट करना आसान होता है। आप भी घर पर चेक कर सकते हैं कि आपका घी शुद्ध है या नहीं।

लेबल को ध्यान से पढ़ें

आपका घी वेजिटेरियन है या नहीं यह देखने के लिए लेबल को ढंग से पढ़कर चेक करें। सभी ब्रैंड्स अपने इंग्रीडिएंट्स को लेबल पर लिस्ट करते है। आप लेबल पढ़कर भी एनिमल ओरिजिन का पता लगा सकते हैं।

जिलेटिनः अगर घी के लेबल में जिलेटिन का जिक्र है, तो आपको उसका उपयोग नहीं करना चाहिए। यह मांसाहारी इंग्रीड़िएंट की ओर इशारा करता था। जिलेटिन में एनिमल बोन्स का इस्तेमाल होता है।

ई 471 (फैटी एसिड के मोनो और डाइग्लिसराइड्स): यह एडिटिव एनिमल या प्लांट से प्राप्त किया जा सकता है, इसलिए घी को हमेशा वेरिफाई करके ही उपयोग करें।

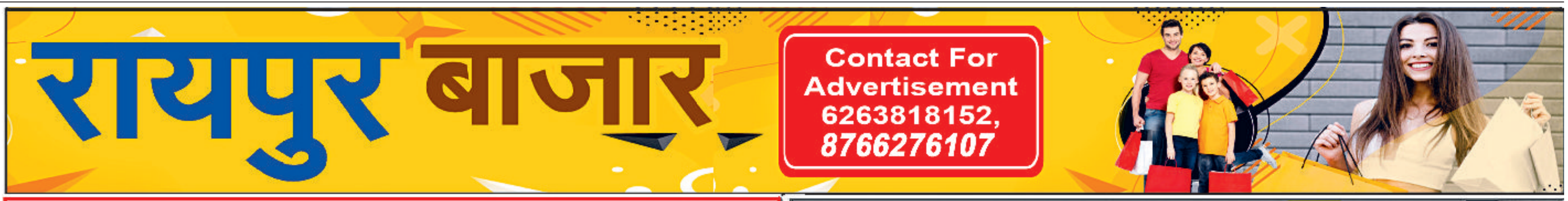

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

मशहूर वॉयस एक्टर डेविड ग्राहम नहीं रहे, 'पेप्पा पिग' की आवाज हुई खामोश

मशहूर वॉयस एक्टर डेविड ग्राहम ने 99 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। ग्राहम एनिमेशन और मनोरंजन की दुनिया में एक विरासत छोड़ गए हैं।

डेविड ग्राहम लोकप्रिय एनिमेटेड सीरीज 'पेप्पा पिग' में ग्रैंडपा पिग की भूमिका के लिए मशहूर थे। इस किरदार को उन्होंने साल 2004 से 2021 तक आवाज दी। डेविड ग्राहम ने 1960 के दशक की मशहूर सीरीज 'थंडरबड्र्स' में एलॉयसियस पार्कर के किरदार को अपनी आवाज से जिंदा किया। इसके अलावा, ग्राहम ने 1960 और 70 के दशक में 'डॉक्टर हू' में 'म्यूटेंट डेलक्स' को आवाज दी थी। 'थंडरबड्र्स' के निर्माता गेरी एंडरसन ने ग्राहम के निधन के बाद सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, 'हम महान डेविड ग्राहम के निधन की पुष्टि करते हुए बहुत दुखी हैं। 'पार्कर, गॉर्डन ट्रेसी, ब्रेन्स और बहुत से अन्य लोगों की आवाज। डेविड हमेशा एंडरसन एंटरटेनमेंट में हमारे लिए एक अद्भुत दोस्त थे। हम आपको बहुत याद करेंगे, डेविड। हमारी संवेदनाएं डेविड के दोस्तों और परिवार के साथ हैं,₹

अपने वॉयस एक्टिंग करियर को शुरू करने से पहले, ग्राहम ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक रडार मैकेनिक के रूप में काम किया और थिएटर में जाने का फैसला करने तक एक ऑफिस क्लर्क के रूप में काम किया। वह अपने काम को काफी गंभीरता से लेते थे। पीपल पत्रिका के अनुसार एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, 'इसलिए कि यह एक कार्टून या कठपुतली है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। मैं इसे नेशनल में काम करने जितना ही गंभीरता से लेता हूं।'

टॉलीवुड

73 साल की उम्र में जमकर थिरके रजनीकांत सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा वीडियो

रजनीकांत जल्द ही फिल्म वेट्टैयन में नजर आने वाले हैं। यह अमिताभ बच्चन की डेब्यू तमिल फिल्म है। हाल ही में इस फिल्म के ऑडियो लॉन्च

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान रजनीकांत जमकर थिरकते हुए नजर आए। तमिल फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत जल्द ही अपनी 170वीं फिल्म वेट्टैयन में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म के ऑडियो लॉन्च का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रजनीकांत ने भाषण के साथ अपने खास डांस से भी लोगों के दिल जीत लिए। इस समारोह का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रजनीकांत अपनी आगामी फिल्म के हिट 'मनसिलायो' गाने पर थिरकते हुए दिखाई दे रहे हैं। गाने में 73 वर्षीय अभिनेता को 33 वर्षीय संगीतकार अनिरुद्ध के साथ गाने का हुक स्टेप करते हुए देखा जा सकता है। वहीं, वीडियो के अंत में संगीतकार रजनीकांत के पैर छूते दिखते हैं, जिसके बाद अभिनेता उन्हें गले लगा लेते हैं।

अनिरुद्ध ने इससे पहले भी रजनीकांत कई फिल्मों में संगीत दिया है। 'पेट्टा', 'दरबार' और नेल्सन के निर्देशन में बनी 'जेलर' जैसी फिल्मों के गानों को लोगों ने खूब पसंद किया था। वेट्टैयन का निर्देशन टीजे ज्ञानवेल ने किया है, जिन्होंने पिछली बार प्रशंसित तमिल कोर्टरूम ड्रामा फिल्म जय भीम का निर्देशन किया था। इस फिल्म में सूर्या ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वेट्टैयन में अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका में हैं। यह उनकी पहली तमिल फिल्म है। उनके अलावा इसमें फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन और वीजे रक्षण ने भी हैं। अमिताभ बच्चन और रजनीकांत वर्षों बाद इस फिल्म में साथ दिखने जा रहे हैं। आखिरी बार दोनों ने साल 1991 की फिल्म हम में काम किया था। वेट्टाइयां 10 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है।

भोजपुरी

खेसारी की फिल्म 'अवैध' का फर्स्ट लुक जारी, कट्टा बनाते नजर आए

भोजपुरी सिनेमा के ट्रेंडिंग स्टार खेसारी लाल यादव की नई फिल्म 'अवैध' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो चुका है और सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। राजघराना

फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी इस फिल्म के पोस्टर में खेसारी लाल यादव कट्टा बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो फिल्म की कहानी के गंभीर और ग्राउंडेड टोन को दर्शाता है। फिल्म के निर्माता आदित्य कुमार झा और निर्देशक नीरज रणधीर हैं, जबकि खेसारी लाल यादव के साथ अपर्णा मलिक इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।खेसारी लाल यादव ने फिल्म के फर्स्ट लुक को लेकर कहा कि यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि इसमें मेरा किरदार मेरी पिछली फिल्मों से पूरी तरह अलग है। इस फिल्म की कहानी समाज के कुछ ऐसे स्याह पहलुओं को उजागर करती है, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज किया जाता है। फर्स्ट लुक में जो पोस्टर देखा जा रहा है, वह फिल्म के संघर्ष और सामाजिक असमानता की झलक दिखाता है। मेरे किरदार की यात्रा चुनौतीपूर्ण है और मुझे यकीन है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे।उन्होंने आगे कहा कि 'अवैध' केवल एक मनोरंजक फिल्म नहीं है, बल्कि यह समाज में हो रहे अन्याय और शोषण के खिलाफ उठने वाली आवाज है। मैं इस फिल्म से दर्शकों के दिलों तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास करूंगा।

क्लासिक टच

लाइफ स्टाइल

मशहूर डिजाइनर मैथ्यू एम. विलियम्स ने गिवेंची के क्रिएटिव डायरेक्टर का पद संभालने के बाद अपने ब्रांड को और अधिक युवा और स्टाइलिश बना दिया है। कपड़ों के डिज़ाइन के मामले में उन्होंने ब्रांड के क्लासिक इतिहास को भी जारी रखा है। सख्त सूट मटेरियल और नियोप्रीन फ़ैब्रिक का उपयोग करके उन्होंने एक त्रि-आयामी डिजाइन को रचा है।

चेहरे पर मसाज के लिए इनका करें इस्तेमाल

चेहरे पर मसाज करने से त्वचा हाइड्रेट रहती है। साथ ही, एक चमक आती है। इसलिए पार्लर पर भी क्लीनअप या फेशियल के बाद चेहरे की मसाज की जाती है। साथ ही, चेहरे पर भाप दी जाती है। लेकिन आप इसे रोजाना अपने घर पर कर सकती हैं। इसके लिए आपको घर पर रखी चीजों का इस्तेमाल करना है और हल्के हाथों से अपने चेहरे की मसाज करनी है। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट रहेगी।

नारियल तेल से करें मसाज

आपको अपने चेहरे को मुलायम और चमकदार बनाना है, तो इसके लिए नारियल तेल से चेहरे की हफ्ते में 1 बार जरूर मसाज करें। इससे स्किन हाइड्रेट रहती है। साथ ही, चमक नजर आती है।

इसके लिए आपको नारियल तेल को हल्का गुनगुना करना है।फिर इसे थोड़ा-थोड़ा चेहरे पर लगाना है।अब हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करनी है।इसे करीब 10 मिनट चेहरे पर लगे रहने दें।इसके बाद चेहरे को कॉटन से साफ कर लें।तेल की मसाज करने के आपके चेहरे पर ड्राईनेस नहीं आएगी।साथ ही, आपकी त्वचा हेल्दी रहेगी।

एलोवेरा जेल से करें चेहरे की मसाज

एलोवेरा जेल चेहरे के लिए अच्छा होता है। इसलिए आपको इसका इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए आप फ्रेश एलोवेरा जेल को निकालकर इसे इस्तेमाल कर सकती हैं।इसके लिए एक कटोरी में फ्रेश एलोवेरा जेल को निकालें।अब इसे पूरे फेस पर अप्लाई करें।फिर हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करें। करीब 30 मिनट मसाज करें।इसके बाद

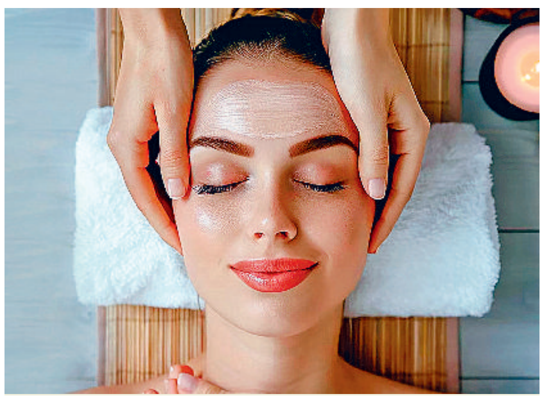

इसे चेहरे पर 10 मिनट लगा रहने दें।फिर पानी से चेहरे को साफ करें।इसे लगाने से आपके चेहरे पर होने वाली खुजली और रेडनेस कम हो जाएगी। साथ ही स्किन हाइड्रेट रहेगी।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपको चेहरे पर किसी तरह की एलर्जी है, तो मसाज बिल्कुल भी न करें।मसाज करने के बाद त्वचा को मॉइस्चराइज करें।नियमित मसाज करने से त्वचा को अधिक फायदे होते हैं।इस तरीके से आप घर पर ही चेहरे की मसाज कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन हेल्दी रहेगी।

साड़ी में रॉयल लुक क्रिएट करें दिखेंगी महारानी जैसी सुंदर

फैशन

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन हर बार एक तरह से साड़ी पहनकर हम बोर हो जाते हैं। फिर जब मन करता है रॉयल लुक क्रिएट करने का तो इसके लिए हम नई साड़ी को बाजार से खरीदकर ले आते हैं। लेकिन साड़ी खरीदकर लाने से ही रॉयल लुक क्रिएट नहीं होता है। इसके लिए जरूरी है कि आप इसे सही तरीके से स्टाइल करें। इससे आपका लुक रॉयल लगता है। कुछ आसान टिप्स हैं, जिनका ध्यान आपको जरूर रखना चाहिए।

कवर ब्लाउज को करें स्टाइल

जब भी कोई रॉयल साड़ी स्टाइल की जाती है, तो इसके साथ कवर ब्लाउज को वियर किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक में एक ग्रेस आता है। साथ ही, हम सुदर नजर आते हैं। इसके लिए आप राउंड नेकलाइन का ब्लाउज खरीदें। इसके बाद इसे वियर करें। इसमें ज्यादा डीप नेकलाइन को क्रिएट न करवाएं। वरना आपका लुक खराब लग सकता है।

पेस्टल ऐड फ्लावर डिजाइन वाली साड़ी को करें स्टाइल

अगर आपको रॉयल लुक क्रिएट करना है, तो इसके लिए आप पेस्टल कलर और फ्लावर डिजाइन वाली साड़ी को खरीदे। इस तरह की साड़ी पहनने के बाद अच्छी लगती है। साथ ही, आपका लुक रॉयल नजर आता है। साड़ी के साथ ब्लाउज भी बिल्कुल सिंपल पहनना चाहिए। इससे लुक अच्छा लगेगा। आप इस तरह की साड़ी को मार्केट से 250 से 500 रुपये में खरीद सकती हैं।

साड़ी के साथ पर्ल ज्वेलरी करें स्टाइल

आप साड़ी के साथ पर्ल ज्वेलरी को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपका लुक भी परफेक्ट लगेगा। इसके लिए आप चोकर सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सेट मार्केट से 200 से 250 रुपये में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। इससे आप सुंदर लगेंगी। साथ ही, आपका रॉयल लुक भी अच्छा लगेगा। इसके साथ आप सिंपल व्हाइट पर्ल की ज्वेलरी को खरीदें। कलरफुल ज्वेलरी लुक के साथ अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सुंदर लगेंगी। इस बार रॉयल लुक क्रिएट करने के लिए आप साड़ी को नहीं खरीदें। बल्कि इसके लिए स्टाइलिंग टिप्स का ध्यान रखें। इससे आप सुंदर लगेंगी। साथ ही, आपको कुछ अलग टिप्स के साथ साड़ी वियर करने के बारे में पता चलेगा।

नवरात्रि में पैरों की खूबसूरती को दोगुना करेंगे खास पायल

खूबसूरत दिखना और सजना-सवरना हम सभी को पसंद होता है। इसके लिए हम ट्रेडिशनल लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए कई तरह की ज्वेलरी को स्टाइल करते हैं। बात अगर ज्वेलरी की करें तो पैरों के लिए हम अक्सर तरह-तरह की पायल को पहनना पसंद करते हैं। नवरात्रि शुरू होने वाले हैं और इस मौके पर आप साड़ी और सूट के साथ में पायल को पहन सकती हैं।

पर्ल डिजाइन पायल

पर्ल डिजाइन एवरग्रीन पसंद किया जाता है। वहीं पायल में आपको अलग-अलग तरह के साइज देखने को मिल जाएंगे। पर्ल की लटकन के लिए आप चाहें तो बड़े साइज की मोती के साथ में बीड्स का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसके अलावा आधा कटा हुआ मोती भी आप पैरों में पहननी पायल की डिजाइन में लगवा सकती हैं।

चेन डिजाइन पायल

सिंपल और सटल लुक के लिए आप बारीकी चेन वाली पायल को पैरों में पहन

सकती हैं। इसमें आपको मिरर वर्क और कुंदन से लेकर लटकन वाली पायल के कई सारे डिजाइंस की कलेक्शन देखने को मिल जाएगी। इस तरह की खूबसूरत पायल को आप सिंपल साड़ी या सूट के साथ में पहन सकती हैं। चाहें तो अलग से इसमें घुंघरू भी लगवा सकती हैं।

गोल्डन डिजाइन पायल

पायल में आपको सिल्वर के अलावा गोल्डन कलर में भी पायल के कई डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इस तरह की पायल में आपको आर्टिफिशियल डिजाइन में भी कई बारीकी से बनाये हुए डिजाइन देखने को मिल जाएंगे।

रूखे और बेजान बालों से मिलेगा छुटकारा हेयरवॉश से पहले करें यह जरूरी काम

बदलते मौसम में अक्सर लोग रूखे और बेजान बालों से परेशान हो जाते हैं। यह एक बेहद आम समस्या है जो ना सिर्फ लुक को प्रभावित करती है बल्कि कॉन्फिडेंस पर भी असर डालती है। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं तो हम यहां आपको एक्सपर्ट की बताएकुछ प्रभाव भी उपाय बता रहे हैं, जिससे आप अपने बालों को स्वस्थ चमकदार बता सकते हैं। इस बारे में एक्सपर्ट शीनम कालरा मल्होत्रा जानकारी दे रही हैं। एक पैन में एक गिलास पानी डालें। इसमें ग्रीन टी बैग, मेथी दाना, और नीम लीव्स डालें।इसे गैस पर चढा दें और कुछ तब तक उबालें जब तक पानी आधा न हो जाए।अब इसे कुछ देर के लिए ठंडा होने के लिए रख दें।इस मिश्रण को आप हेयर वॉश करने से पहले स्कैल्प पर लगाएं।इसे एक घंटे तक ऐसे ही बालों में लगा रहने दें।इसके बाद हेयर वॉश कर लें।आप इस थेरेपी को हफ्ते में दो बार कर सकते हैं।

होम मेड मास्क के फायदे

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करते हैं। इससे स्कैल्प में रक्त

संचार को बढ़ावा मिलता है।मेथी की बात करें तो मेथी में प्रोटीन और निकोटीनिक एसिड होता है जो बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बालों की प्राकृतिक नमी को बनाए रखना है।यह डैंड्रफ को भी काम करता है। नीम में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो स्कैल्प को स्वस्थ रखते हैं। खुजली या इंफेक्शन से बचाते हैं यह बालों की चमक को भी बढ़ता है।

बालों में हर कुछ दिनों पर ऑयलिंग करें।गर्म पानी से हेयर वॉश न करें,इससे हेयर फॉलिकल्स को नुकसान होता है।

कार्नर न्यूज

आधुनिक पुरुष पहनावे को आत्म-अभिव्यक्ति के साधन के रूप में इस्तेमाल

लेटेस्ट फैशन में क्या अपनाएं और क्या नहीं, इस उलझन से बाहर निकलें युवा

फैशन का संबंध लंबे समय से महिलाओं से रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आधुनिक पुरुष अपने पहनावे को आत्म-अभिव्यक्ति के साधन के रूप में इस्तेमाल करने में बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं, और इसके पीछे अच्छे कारण भी हैं। लेकिन कई बार लेटेस्ट फैशन को अपनाने युवा बहुत सी उलझन से घिरे रहते हैं। पुरानी धारणा को भूल जाइए कि स्टाइल सिर्फ़ युवा और ट्रेंडी लोगों के लिए है। सभी उम्र के आधुनिक पुरुष अपनी अलग पहचान को अपना रहे हैं और अपने कपड़ों के ज़रिए खुद को अभिव्यक्त कर रहे हैं।

अच्छी तरह से फिट होने वाले कपड़े पहनें

किसी भी उम्र के पुरुषों के लिए सबसे महत्वपूर्ण फैशन टिप यह है: अच्छी तरह से फिट होने वाले कपड़े पहनना। जो कपड़े आप पर लटकते हैं या अजीब जगहों पर इकट्ठे होते हैं, वे कभी अच्छे नहीं लगेंगे। दूसरी ओर, जो कपड़े आपको अच्छे से फिट होते हैं, वे आपके फिगर को निखारेंगे और आपको तुरंत और भी खूबसूरत दिखाएंगे। इसलिए, अगर ज़रूरत हो तो अपने कपड़ों को सिलवाने के लिए समय निकालें। यह एक ऐसा निवेश है जो आपको बहुत फ़ायदा देगा।

फैशन में बने रहने वाले कपड़े चुनें

पुरुषों के लिए फ़ैशन टिप्स; ट्रेंड आते-जाते रहते हैं, लेकिन क्लासिक पीस कभी भी स्टाइल से बाहर नहीं होते। ये हर पुरुष की अलमारी में होने चाहिए। इन्हें ऊपर या नीचे पहनें, और ये आपको हमेशा एक जैसा लुक देंगे।

एक्सपेरीमेंट करने से न डरें

सिर्फ़ इसलिए कि आपकी अलमारी में कुछ क्लासिक पीस हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि आप फ़ैशन के साथ मज़े नहीं कर सकते! अलग-अलग रंगों, पैटर्न और टेक्सचर के साथ एक्सपेरीमेंट करके अपनी पसंद का लुक पाएँ। अपने कम्फ़र्ट ज़ोन से बाहर निकलने से न डरें - हो सकता है कि आपको जो पसंद आए, उससे आप हैरान रह जाएँ। पुरुषों के लिए फैशन टिप्स में बहुमुखी पीस को अपनाना और अपने आउटफिट में गहराई जोड़ने के लिए लेयरिंग के साथ खेलना शामिल है।

चाहे कैजुअल और फॉर्मल एलिमेंट्स को मिलाना हो या बोल्ड एक्सेसरीज ट्राई करना हो, अपने स्टाइल को अपने व्यक्तित्व को दर्शाने दें।